स्थापना 1972

*Empowering Minds, Shaping Future*

# श्री अरविन्द महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

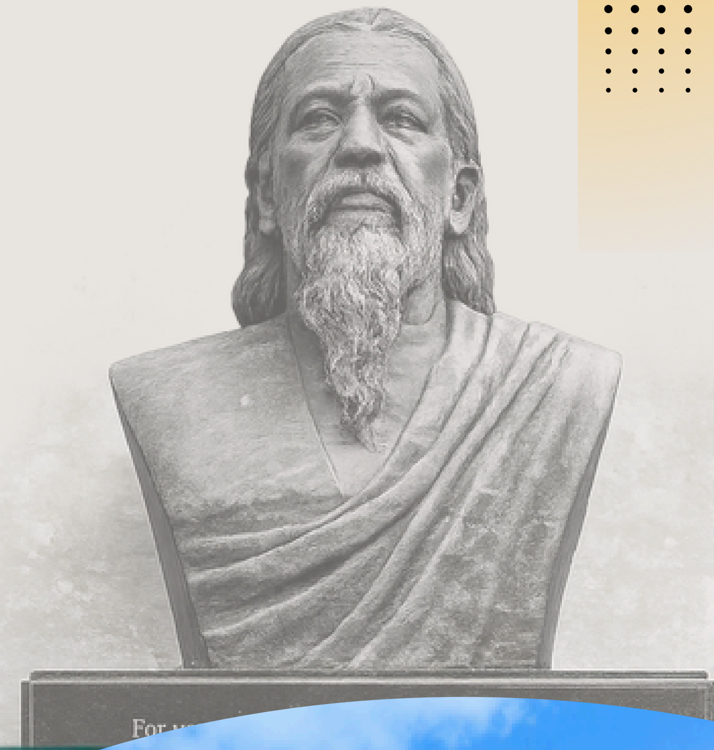

# विवरणिका

## शैक्षणिक सत्र

## 2026-27

"उत्कृष्टता की एक विरासत। संभावनाओं का एक भविष्य।"

शैक्षणिक उत्कृष्टता

समावेशी विकास

सामाजिक जिम्मेदारी

नेतृत्व और नवाचार

मालवीय नगर नई दिल्ली | www.aurobindo.du.ac.in | principal@aurobindo.du.ac.in | +91-1140536164

SRI AUROBINDO COLLEGE
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI

"सच्चा ज्ञान केवल सोचने से प्राप्त नहीं होता। वह वही है जो आप हैं; और वही है जो आप बनते हैं।"

\- श्री अरविन्द घोष

(1872-1950)

2026-2027

# श्री अरविन्द महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

# विवरणिका
# 2026-2027

मालवीय नगर
नई दिल्ली-110017
फोन: 011-40536164
फैक्स: 011-26691014
ई-मेल: principal@aurobindo.du.ac.in
वेब: www.aurobindo.du.ac.in

| विषय सूची | |
|---|---|
| महाविद्यालय के बारे में | 01 |
| प्राचार्य महोदय का संदेश | 02-03 |
| विभागीय परिचय | |
| वनस्पति विज्ञान विभाग | 04 |
| रसायन विज्ञान विभाग | 05-06 |
| वाणिज्य विभाग | 07-08 |
| कंप्यूटर विज्ञान विभाग | 09 |
| अर्थशास्त्र विभाग | 10-11 |
| इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग | 12 |
| अंग्रेजी विभाग | 13 |
| पर्यावरण विज्ञान विभाग | 14 |
| हिन्दी विभाग | 15 |
| इतिहास विभाग | 16 |
| गणित विभाग | 17 |
| भौतिकी विभाग | 18 |
| राजनीति विज्ञान विभाग | 19 |
| संस्कृत विभाग | 20 |

| CONTENTS | |
|---|---|
| जीव विज्ञान विभाग | 23 |
| प्रशासनिक विवरण | 24 |
| प्रवेश समितियाँ | 25-26 |
| प्रस्तावित पाठ्यक्रम | 27 |
| सीट मैट्रिक्स | 28 |
| प्रवेश-प्रक्रिया | 29-32 |
| विश्वविद्यालय प्रवेश कार्यक्रम | 33 |
| शुल्क एवं अन्य देय राशि | 34-35 |
| छात्रवृत्तियाँ / शुल्क रियायत / छात्र सहायता निधि आदि | 36-40 |
| खेल एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) | 41-42 |
| राष्ट्रीय सेवा योजना | 43 |
| कैंटीन & नेस्कैफे | 44 |
| महाविद्यालय व कार्यालय का समय | 44 |
| छात्र संघ | 45 |
| अध्यादेश | 46-49 |
| पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्ष तथा सेमिनार कक्ष | 50-51 |
| प्रयोगशाला सुविधाएँ | 52-53 |

## CONTENTS


| | |
|---|---|
| प्रमुख अवसंरचनात्मक एवं विकासात्मक कार्य | 54-55 |
| सांस्कृतिक गतिविधियाँ | 56 |
| सांस्कृतिक समितियां | 57-59 |
| अन्य समितियां /क्लब्स/संगठन | 60-63 |
| शैक्षणिक कैलेंडर | 66 |
| छात्र अनुसंशा पत्र | 67-68 |
| विशिष्ट पूर्व छात्र | 69-74 |
| संपादकीय एवं डिज़ाइन टीम | 75 |

# महाविद्यालय के बारे में

श्री अरविन्द आधुनिक भारत के महान चिंतकों में अग्रणी स्थान रखते हैं। वे एक प्रखर स्वतंत्रता सेनानी, कवि, दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं आध्यात्मिक दृष्टा थे, जिनका जीवन एवं चिंतन आज भी ज्ञान, आत्मबोध तथा मानव उत्कर्ष के पथ को आलोकित करता है। भारतीय संस्कृति एवं दर्शन की समृद्ध परंपरा में निहित उनके विचार समग्र शिक्षा, उत्कृष्टता तथा मानवीय मूल्यों पर आधारित जीवन-दृष्टि के प्रेरणास्रोत हैं।

श्री अरविन्द महाविद्यालय(दिल्ली विश्वविद्यालय)में हम इन्हीं आदर्शों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए भारतीय परंपरा के शाश्वत मूल्यों का समकालीन शिक्षा की आवश्यकताओं के साथ समन्वय स्थापित करते हैं। हमारा उद्देश्य एक समावेशी, जीवंत एवं भविष्य उन्मुख शैक्षिक वातावरण का निर्माण करना है, जो विद्यार्थियों को संवेदनशील, उत्तरदायी एवं सामाजिक रूप से सजग नागरिक तथा नेतृत्वकर्ता बनने के लिए सक्षम बनाए।

हमारी शासी निकाय, शिक्षकगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थी, पूर्व छात्र एवं अभिभावकों के निरंतर सहयोग एवं विश्वास के फलस्वरूप महाविद्यालय ने शिक्षा, खेलकूद तथा सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। हम अपने आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ बनाने तथा नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं उद्योग-जगत के साथ सहभागिता के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को निरंतर समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सार्थक शैक्षणिक एवं अनुभवात्मक अवसर प्रदान करते हुए हम अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक उत्कृष्टता के साथ-साथ समाज के प्रति सकारात्मक एवं उत्तरदायी योगदान हेतु तैयार करते हैं ।

# अवस्थिति:

श्री अरविन्द महाविद्यालय दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में स्थित है। यह कुतुब मीनार, श्री अरविन्द आश्रम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) तथा कुतुब संस्थागत क्षेत्र के निकट अवस्थित है।

महाविद्यालय, मालवीय नगर मेट्रो स्टेशन (येलो लाइन) से पैदल दूरी पर स्थित है तथा दिल्ली मेट्रो एवं बस सेवाओं के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न भागों से सुगमता से जुड़ा हुआ है।

# प्राचार्य महोदय का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों आप सभी का हार्दिक स्वागत है।
मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मैं आप सभी का स्वागत श्री अरविन्द महाविद्यालय, जो कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित घटक महाविद्यालयों में से एक है, में करता हूँ। महाविद्यालय का जीवन व्यक्ति के जीवन का एक नवीन एवं प्रेरणादायक अध्याय होता है, जो ज्ञानार्जन, व्यक्तित्व विकास तथा अपनी अंतर्निहित क्षमताओं के विकास के असंख्य अवसर प्रदान करता है। श्री अरविन्द महाविद्यालय में हम ऐसा शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराते हैं जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता तथा सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करता है।

हमारे प्रतिष्ठित शिक्षकगण अपने विषय-विशेषज्ञता के साथ-साथ विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं परामर्श के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। वे कक्षा-कक्ष के शिक्षण तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा, आत्मविश्वास एवं समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं। वर्षों से हमारे विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में उत्कृष्ट स्थान एवं विविध सम्मान अर्जित किए हैं, जो महाविद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक परंपरा का परिचायक है।

आधारभूत संरचना एवं डिजिटल शिक्षण संसाधनों का निरंतर उन्नयन करने के साथ-साथ हम अपनी सांस्कृतिक समितियों एवं विद्यार्थी-नेतृत्व वाली गतिविधियों के माध्यम से एक सशक्त एवं जीवंत परिसर संस्कृति के निर्माण हेतु भी प्रतिबद्ध हैं। हमारा वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'महक', तथा विभिन्न क्लब, प्रकोष्ठ एवं समितियाँ विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, प्रभावी संप्रेषण कौशल एवं जीवनोपयोगी अन्य आवश्यक दक्षताओं के विकास के व्यापक अवसर प्रदान करती हैं।

श्री अरविन्द महाविद्यालय में विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण हमारी प्रत्येक शैक्षणिक गतिविधि का मूलाधार है। साथ ही, इंटर्नशिप, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, उद्योग-जगत से सहभागिता तथा प्लेसमेंट पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावसायिक अवसरों को सुदृढ़ बनाने के लिए भी हम निरंतर प्रयासरत हैं। इस वर्ष आयोजित रोजगार एवं इंटर्नशिप मेले, जिसमें लगभग 45 प्रतिष्ठित कंपनियों ने सहभागिता की, हमारे विद्यार्थियों को सफल व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करने की हमारी सतत प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है।

प्राचार्य के रूप में मुझे इस समावेशी, सहयोगात्मक एवं बौद्धिक रूप से समृद्ध शैक्षणिक समुदाय पर गर्व है, जिसका निर्माण हम सभी ने मिलकर किया है। जब आप इस प्रवेश विवरणिका का अवलोकन करेंगे तथा हमारे महाविद्यालय से जुड़ने पर विचार करेंगे, तब मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि श्री अरविन्द महाविद्यालय में आपकी शैक्षणिक यात्रा ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं जीवन-परिवर्तनकारी सिद्ध होगी। हम आपके स्वागत एवं आपकी शैक्षणिक यात्रा के प्रत्येक चरण में आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए सदैव तत्पर हैं।

**प्रो. अरुण चौधरी**
**प्राचार्य**
**श्री अरविन्द महाविद्यालय**

## विवरणिका

इस प्रॉस्पेक्टस की सामग्री की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए हर सावधानी बरती गई है। यहाँ दी गई जानकारी केवल श्री अरविंद महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों से संबंधित है। विस्तृत जानकारी के लिए आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय की सूचना बुलेटिन देखें या वे दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन (छात्र कल्याण) कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के सुसंगत नियमों, अध्यादेशों और कानूनों पर दी गई जानकारी अंतिम होगी। प्रास्पेक्टस में मौजूद डेटा केवल सांकेतिक है और इसका उपयोग कानूनी उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। कॉलेज यूजीसी/दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर प्रॉस्पेक्टस में कोई भी परिवर्तन/जोड़ने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

# वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग कक्षा-शिक्षण के साथ-साथ शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमणों के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे विद्यार्थियों को समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान तथा उद्योगों की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके। प्रमुख अनुसंधान संस्थानों तथा जैव-प्रौद्योगिकी उद्योगों के नियमित भ्रमण से विद्यार्थियों को पादप विज्ञान, जैव-सूचनाविज्ञान (बायोइन्फॉर्मेटिक्स), सूक्ष्मजीव विज्ञान तथा संबद्ध क्षेत्रों में हो रहे नवीनतम विकासों की जानकारी मिलती है और शिक्षा जगत एवं उद्योग के मध्य सुदृढ़ समन्वय स्थापित होता है।

विभाग विद्यार्थियों को सम्मेलन, संगोष्ठियों तथा शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता के लिए भी प्रोत्साहित करता है, जिससे उन्हें व्यापक वैज्ञानिक समुदाय के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर प्राप्त होते हैं। विभाग के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों, पोस्टर प्रस्तुतियों तथा शोध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निरंतर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। यह विभाग नवाचार, वैज्ञानिक जिज्ञासा तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

## संकाय सदस्य

| | |
|---|---|
| **प्रो. मंजू एम. गुप्ता** | **प्रोफेसर रश्मि माथुर** |
| **(शिक्षक प्रभारी )** | **डॉ. अनिल कुमार मावी** |

# रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग कक्षा शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम तथा अनुसंधान के प्रभावी समन्वय के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमण, कौशल-आधारित पाठ्यक्रम, संगोष्ठियाँ तथा जन-जागरूकता गतिविधियाँ विद्यार्थियों को समकालीन वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय विषयों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। ग्रीन मेथड्स ऑफ केमिस्ट्री पाठ्यक्रम के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कौशल विकास केंद्र (Skill Development Centre – SDC) के रूप में मान्यता प्राप्त यह विभाग सतत विकास की अवधारणा, अनुभवात्मक अधिगम तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

विभाग का अनुसंधान एवं जन-संपर्क (आउटरीच) क्षेत्र अत्यंत सशक्त है। विभाग के शिक्षक बाह्य वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं तथा सहयोगात्मक शोध कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न हैं, जो पर्यावरणीय एवं सामाजिक चुनौतियों के समाधान पर केंद्रित हैं। उन्नत भारत अभियान (UBA) जैसी पहलों के सहयोग से विभाग नियमित रूप से संगोष्ठियों, जागरूकता कार्यक्रमों तथा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है, जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान, पर्यावरणीय सततता तथा सामुदायिक सहभागिता के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित होता है। इस प्रकार विभाग विद्यार्थियों को उत्तरदायी पेशेवर एवं जागरूक वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार करता है।

## संकाय सदस्य

**प्रो. प्रवीता कुमार**
**प्रो. संगीता कौल**
**प्रो. सोनी रस्तोगी**
**प्रो. विनय कुमार सिंह**
**डॉ. लक्ष्मी तंवर**
**प्रो प्रमोद कुमार**
**डॉ. शिखा नारंग**
**डॉ. साक्षी मलिक**
**डॉ. अविनाश कुमार सोनकर (शिक्षक प्रभारी)**
**डॉ. नरपत राज नेनिवल**
**डॉ. शशांक शेखर**
**डॉ. प्रियंका मीना**

# वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग एक ऐसे गतिशील शिक्षण वातावरण के निर्माण के लिए समर्पित है, जो शैक्षणिक ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव तथा व्यावसायिक विकास का प्रभावी समन्वय प्रस्तुत करता है। विभाग अपने वार्षिक विभागीय उत्सव, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, करियर मार्गदर्शन कार्यक्रमों तथा उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता तथा उद्यमिता कौशल का विकास करता है। अभिमुखीकरण कार्यक्रम तथा विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियाँ सशक्त शैक्षणिक संस्कृति को प्रोत्साहित करते हुए विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित करती हैं।

अनुभवात्मक अधिगम विभाग की शैक्षणिक कार्यप्रणाली का एक महत्वपूर्ण अंग है। प्रमुख संस्थानों एवं उद्योगों के शैक्षिक तथा औद्योगिक भ्रमणों के साथ-साथ व्यवसायिक प्रक्रियाओं, वित्त तथा कॉर्पोरेट संचालन से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों को कक्षा में अर्जित ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उद्योगों से सतत संवाद, करियर उन्मुख तैयारी तथा अनुभवात्मक अधिगम के माध्यम से विभाग विद्यार्थियों को वाणिज्य एवं व्यवसाय की निरंतर विकसित होती दुनिया में सफलता प्राप्त करने हेतु आवश्यक ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास से सुसज्जित करता है।

## संकाय सदस्य

प्रो. सुभांजलि चोपड़ा
डॉ. मीनाक्षी गुप्ता
प्रो. नमिता राजपूत
डॉ. आशा किरण गुप्ता
प्रो. अंजलि भटनागर
डॉ. मीनाक्षी चौधरी
डॉ. निशिता गुप्ता
डॉ. शास्ता गुप्ता
श्रीमती सिल्की जैन
श्रीमती मिन्नी नारंग
(शिक्षक प्रभारी )
डॉ. वंदना मुंजाल
श्रीमती प्रियंका बेदी
श्रीमती अंकिता गोयल
डॉ. योगेश गर्ग
डॉ. पारुल गोयल
डॉ. सीमा नाशीर
डॉ. प्रत्युष सिंह
सुश्री आकृति सैनी
श्रीमती कीर्ति यादव
श्रीमती सोनिया लोहिया
श्रीमती सोनिया
डॉ. कौशलेंद्र पाल सिंह
सुश्री श्रुति
श्री अंकित सिंह
सुश्री इला यादव
श्री सौरभ कुमार
श्री कौशल यादव
डॉ. विजय लक्ष्मी
श्री विकास कुमार
श्रीमती शालू
श्री आलोक बंधू
श्री किशोर कुमार शाह
श्री दिनेश मीणा
डॉ. प्रियंका मीना
डॉ. कपिल गर्ग
श्री अभिषेक मिश्रा
सुश्री संगीता बी
श्री कार्तिक सैनी

# कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग विशेषज्ञ व्याख्यानों, कार्यशालाओं तथा सहभागितापूर्ण अधिगम के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अग्रणी औद्योगिक साझेदारों के सहयोग से विभाग नियमित रूप से उभरती प्रौद्योगिकियों, सॉफ्टवेयर उपकरणों तथा समकालीन तकनीकी प्रवृत्तियों पर सत्र आयोजित करता है, जिससे विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन और व्यावसायिक व्यवहार के मध्य की दूरी को पाटने का अवसर प्राप्त होता है।

कौशल विकास एवं नवाचार पर विशेष बल देते हुए विभाग विद्यार्थियों को ग्राफिक डिज़ाइन, यूआई/यूएक्स (UI/UX), वेब एवं एप्लिकेशन विकास तथा कंप्यूटर विज्ञान के अन्य उभरते क्षेत्रों का व्यावहारिक परिचय प्रदान करता है। ये पहल विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, तकनीकी दक्षता तथा समस्या-समाधान की क्षमता का विकास करती हैं, साथ ही उन्हें उद्योग की अपेक्षाओं एवं प्रौद्योगिकी के तीव्र गति से विकसित हो रहे क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर अवसरों से परिचित कराती हैं।

## संकाय सदस्य

| | |
|---|---|
| **श्रीमती प्रतिभा आर. गुप्ता**<br>**(शिक्षक प्रभारी)** | **सुश्री दीक्षा जोशी** |

# अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग एक बौद्धिक रूप से प्रेरक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, अनुसंधान तथा समकालीन आर्थिक मुद्दों के प्रति जागरूक एवं विवेकपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी सक्रिय छात्र-समिति, शैक्षणिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, परिचर्चाओं तथा प्रकाशनों के माध्यम से विभाग विद्यार्थियों को अर्थशास्त्र के व्यावहारिक पक्षों का अध्ययन करने तथा प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं एवं उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर उपलब्ध कराता है।

विभाग अपने वार्षिक प्रमुख आयोजनों, छात्र-नेतृत्व वाली पहलों, अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं तथा वार्षिक पत्रिका के माध्यम से अनुभवात्मक एवं सहयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करता है, जिससे विद्वतापूर्ण संवाद एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध होता है। अनुसंधान, नीतिगत विश्लेषण तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर विभाग विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक क्षमता, नेतृत्व गुण तथा वैश्विक स्तर पर परस्पर जुड़े हुए आर्थिक एवं सार्वजनिक नीति संबंधी चुनौतियों की गहन समझ विकसित करता है।

## संकाय सदस्य

**प्रो. रेणुका अनूप कुमार**
**डॉ. पारुल जैन**
**सुश्री हेमा नागपाल**
**श्री शिखर कुमार**
**(शिक्षक प्रभारी )**
**डॉ. महेश कौशिक**

**सुश्री सलोनी खन्ना**
**श्री विनय कुमार यादव**
**श्री अनिल कुमार**
**सुश्री शिवानी तंवर**
**श्री रमेश कुमार**
**श्री सुदर्शन कुमार**

# इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग कक्षा शिक्षण, अनुभवात्मक अधिगम तथा विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता के संतुलित समन्वय के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अभिमुखीकरण कार्यक्रम, शैक्षणिक मार्गदर्शन (मेंटोरिंग) तथा संवादात्मक सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, उभरते अवसरों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अंतर्गत उपलब्ध लचीले शैक्षणिक विकल्पों से परिचित कराया जाता है, जिससे वे अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक भविष्य के संबंध में सुविचारित निर्णय ले सकें।

विभाग शैक्षिक भ्रमणों, विशेषज्ञ व्याख्यानों, तकनीकी आयोजनों तथा अपने वार्षिक विभागीय उत्सव के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। प्रमुख प्रौद्योगिकी प्रदर्शनियों एवं अनुसंधान मंचों के भ्रमण से विद्यार्थियों को अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा नवाचार के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकासों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त होता है। वहीं, मुख्य वक्तव्य, तकनीकी प्रतियोगिताएँ तथा व्यावहारिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, सृजनात्मकता एवं समस्या-समाधान की क्षमता का विकास करती हैं। ये सभी पहल विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र की निरंतर बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हुए उनमें नवाचार तथा आजीवन अधिगम की भावना का विकास करती हैं।

## संकाय सदस्य

| | |
|---|---|
| **श्रीमती शोभना चंद्रा** | **डॉ. ममता शर्मा** |
| **प्रो. वंदना भल्ला** | **डॉ. शुभ्रा गुप्ता** |
| **डॉ. पी. पी. सिंह** | **डॉ. हिमांशु कुशवाह** |
| **डॉ. मंजू प्रुथी** | **श्री अवनीश यादव** |
| **डॉ. रिंकी शर्मा (शिक्षक प्रभारी)** | **डॉ. अनीता कुमारी** |
| | **डॉ. दीपक कुमार जायसवाल** |

# अंग्रेजी विभाग

अंग्रेज़ी विभाग अपनी छात्र-संचालित साहित्यिक संस्था फीनिक्स-प्रो (Phoenix-Pro) के माध्यम से एक सशक्त साहित्यिक एवं बौद्धिक वातावरण का निर्माण करता है। यह संस्था शैक्षणिक विमर्श, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सांस्कृतिक सहभागिता के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करती है। संगोष्ठियों, व्याख्यानों, पठन-चर्चा समूहों, फ़िल्म प्रदर्शन, साहित्यिक परिचर्चाओं तथा प्रकाशनों के माध्यम से विभाग विद्यार्थियों को साहित्य, भाषा, संस्कृति एवं समकालीन सामाजिक मुद्दों पर आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करने के लिए प्रेरित करता है, साथ ही उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता, संप्रेषण कौशल एवं रचनात्मक प्रतिभा का संवर्धन करता है।

विभाग का वार्षिक साहित्यिक उत्सव, छात्र-संगोष्ठियाँ, रीडर्स कलेक्टिव (Readers' Collective) तथा वार्षिक समाचार-पत्र (न्यूज़लेटर) सहयोगात्मक अधिगम, विद्वतापूर्ण संवाद तथा कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, साहित्यकारों एवं विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर विभाग ऐसा समृद्ध शैक्षणिक वातावरण निर्मित करता है, जो बौद्धिक जिज्ञासा, अंतर्विषयक दृष्टिकोण तथा साहित्य एवं मानविकी के प्रति आजीवन रुचि और सम्मान को प्रोत्साहित करता है।

## संकाय सदस्य

**श्रीमती ज्योतिका कुमार**
**डॉ. राज कुमार वर्मा**
**प्रोफेसर मीता माथुर**
**डॉ. मौसुमी बिस्वास**
**श्रीमती सुकृति सोबती**
**सुश्री विभूति वधावन**

**श्रीमती प्रतिभा कुमारी**
**डॉ. हेमचंद्र नामिरकपम**
**(शिक्षक प्रभारी )**
**श्री शिवम वर्मा**
**डॉ. ऐभी बिस्वास**
**सुश्री पूजा पांडेय**

# पर्यावरण विज्ञान विभाग

पर्यावरण विज्ञान विभाग शैक्षणिक, जनसंपर्क और अनुभवात्मक शिक्षण पहलों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से पर्यावरणीय जागरूकता, स्थिरता और वैज्ञानिक जांच को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेषज्ञ के द्वारा व्याख्यान, जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान, कार्यशालाएं और परस्पर संवादात्मक गतिविधियां छात्रों को पारिस्थितिकी संरक्षण और सतत विकास की गहरी समझ विकसित करने के साथ-साथ गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

विभाग जैव विविधता उद्यान, संरक्षण स्थलों और अन्य पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण स्थानों के शैक्षिक दौरों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान पर जोर देता है, जिससे छात्रों को जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली और सतत संसाधन प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। शैक्षणिक संस्थानों और पर्यावरण संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से, विभाग अनुसंधान, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार पर्यावरणीय प्रथाओं को बढ़ावा देता है, जिससे छात्र जागरूक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिक बनने के लिए तैयार होते हैं।

## संकाय सदस्य

**डॉ. नीतू द्विवेदी**
**(शिक्षक प्रभारी )**

**श्रीमती कल्पिता सोनोवाल**

# हिन्दी विभाग

हिंदी विभाग शैक्षणिक, साहित्यिक और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के एक जीवंत मिश्रण के माध्यम से हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति की समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम,व्याख्यान, सेमिनार और छात्रों के नेतृत्व वाली पहल बौद्धिक विकास के लिए एक पोषणकारी वातावरण प्रदान करते हैं, साथ ही छात्रों को हिंदी के क्षेत्र में उपलब्ध विविध शैक्षणिक से और व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

विभाग प्रतिष्ठित लेखकों, पत्रकारों, मीडिया पेशेवरों और शिक्षाविदों के साथ संवाद के एवं प्रमुख संस्थानों के शैक्षिक दौरों के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षण को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। इसकी साहित्यिक संस्था सेमिनारों, चर्चाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रचनात्मकता, नेतृत्व और संगठनात्मक कौशल को निखारने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं, अनुसंधान और मीडिया गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करके, विभाग छात्रों को शिक्षा जगत, पत्रकारिता, प्रकाशन, अनुवाद, सिविल सेवा और अन्य उभरते करियर क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है।

## संकाय सदस्य

**प्रो. हंस राज**
**डॉ. पंकजेंद्र किशोर**
**(शिक्षक प्रभारी )**
**डॉ. अभिनव प्रकाश**
**डॉ. पूजा चीमा**
**डॉ. दीपा**
**डॉ. पूजा मदान**
**डॉ. कैलाशी मीना**
**डॉ. शिवमंगल कुमार**
**श्री अमन यादव**
**श्री निर्देश प्रजापति**

# इतिहास विभाग

इतिहास विभाग गहन शैक्षणिक शिक्षा और व्यावहारिक शिक्षा के संयोजन के माध्यम से ऐतिहासिक जांच को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शैक्षिक दौरे, व्याख्यान, चर्चाएँ और छात्रों के नेतृत्व वाली गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को अतीत के साथ आलोचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, जो पारंपरिक कक्षा शिक्षण से परे जाकर ऐतिहासिक घटनाओं, विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं की एक सूक्ष्म समझ विकसित करने में मदद करती हैं।

विभाग संग्रहालयों, अभिलेखागारों, पुस्तकालयों और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों के दौरों के माध्यम से विरासत-आधारित शिक्षा पर गहरा जोर देता है, जिससे छात्र कलाकृतियों, ऐतिहासिक आख्यानों और सांस्कृतिक परिदृश्यों का उनके व्यापक सामाजिक और राजनीतिक संदर्भों में विश्लेषण करने में सक्षम बनते हैं। अवलोकन, अनुसंधान, आलोचनात्मक सोच और सहयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देकर, विभाग इतिहास पर सूचित दृष्टिकोण विकसित करता है, साथ ही छात्रों को समकालीन समाज को आकार देने में अतीत की प्रासंगिकता को समझने के लिए प्रेरित करता है।

## संकाय सदस्य

**प्रोफेसर अमित झा**
**श्री विनय भारद्वाज**
**डॉ. नौशाबा शेख**
**डॉ. चांदनी सेनगुप्ता**
**(शिक्षक प्रभारी )**

**डॉ. सुनैना**
**डॉ. दिनेश कुमार**
**श्री देवऋषि गुर्जर**

# गणित विभाग

गणित विभाग गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शैक्षणिक जुड़ाव के माध्यम से विश्लेषणात्मक सोच, समस्या-समाधान कौशल और गणितीय विज्ञान में एक मजबूत आधार विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाठ्यक्रम के साथ-साथ, विभाग सीखने के अभिनव तरीकों को बढ़ावा देने और छात्रों की गणना क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वैदिक गणित के सत्रों सहित कार्यशालाओं, व्याख्यानों और संवर्धन गतिविधियों का आयोजन करता है।

संकाय सदस्य गणित के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में लगे हुए हैं और उन्होंने अपने शोध कार्य को प्रतिष्ठित पीयर-रिव्यूड (समीक्षित) और स्कोपस-इंडेक्स्ड पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है। शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और कौशल-उन्मुख पहलों के अपने अनूठे मिश्रण के माध्यम से विभाग बौद्धिक रूप से प्रेरक वातावरण बनाने का प्रयास करता है जो जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और आजीवन सीखने की प्रवृत्ति को पोषित करता है।

## संकाय सदस्य

**प्रो. राजीव अग्रवाल**
**डॉ. दविंदर सिंह**
**डॉ. राजेश कुमार**
**डॉ. ममता गर्ग**
**(शिक्षक प्रभारी )**

**श्री संयम गुप्ता**
**डॉ. मोनू कुमार**
**डॉ. महेश सिंह**

# भौतिकी विभाग

भौतिक विज्ञान विभाग शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या और व्यावहारिक शिक्षण पहलों के एक जीवंत मिश्रण के माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी छात्र संस्था के माध्यम से, विभाग विशेषज्ञ व्याख्यान, व्यावहारिक प्रदर्शन, सेमिनार, शैक्षिक दौरे और संवादात्मक गतिविधियों का आयोजन करता है, जो छात्रों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समकालीन विकास से जुड़ते हुए बुनियादी अवधारणाओं को समझने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

विभाग अपने वार्षिक 'फिजिक्स फेस्ट', वैज्ञानिक प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों और सहयोगात्मक शैक्षणिक आयोजनों के माध्यम से अनुसंधान-उन्मुख शिक्षा को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। विभिन्न विषयों के छात्रों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाकर, ये पहल रचनात्मकता, अंतःविषय सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देती हैं। साथ ही, ये शिक्षार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आधुनिक भौतिकी और तकनीकी नवाचार जैसे उभरते क्षेत्रों से परिचित कराती हैं, जिससे वे विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और करियर के लिए तैयार हो सकें।

## संकाय सदस्य

**डॉ. ओम प्रकाश**
**डॉ. संजय त्यागी**
**प्रो. शर्मिष्ठा लाहिरी**
**डॉ. पूनम जैन**
**डॉ. अनुपमा यादव**
**(शिक्षक प्रभारी )**
**डॉ. मंजू यादव**
**डॉ. किशन दास**
**श्री हिमांशु सिंह**

# राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग जागरूक नागरिकता, आलोचनात्मक जांच और राजनीतिक संस्थानों, शासन व लोक-नीति की गहरी समझ विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्याख्यानों, पैनल चर्चाओं, क्विज़, वाद-विवाद और अन्य शैक्षणिक पहलों के माध्यम से, विभाग छात्रों को उनके विश्लेषणात्मक, अनुसंधान और संचार कौशल को मजबूत करते हुए समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विभाग संवैधानिक जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सूचित सार्वजनिक विमर्श को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों का आयोजन करके बौद्धिक आदान-प्रदान के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है। विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्रों, अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं और छात्रों के नेतृत्व वाले शैक्षणिक आयोजनों के माध्यम से, यह आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को पोषित करता है, जिससे छात्र शिक्षा जगत, सार्वजनिक सेवा, नीति-निर्माण और अन्य विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार हो सकें।

## संकाय सदस्य

| | |
|---|---|
| **डॉ. ए .एन. मिसरा** | **सुश्री एकता बसोया** |
| **प्रो. विपिन क्र. मल्होत्रा** | **डॉ. हरीश कुमार** |
| **डॉ. एस. एस. राणा** | **डॉ. अंजू** |
| **डॉ. प्रशांत बर्थवाल** | **डॉ. लामनेइव सिटलहौ** |
| **डॉ. अनुराग पांडेय (शिक्षक प्रभारी )** | **श्री अविनाश नेगी** |
| **डॉ. रौनक कुमार पाठक** | **सुश्री चंचल मीना** |
| **डॉ. सुरभि सहगल** | **श्री दिव्येंदु झा** |
| **श्री विकास यादव** | **श्री विकास आनंद** |
| | **श्री सचिन कुमार** |

# संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग अभिनव शैक्षणिक और आउटरीच पहलों के माध्यम से भारत की समृद्ध भाषाई, साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। भाषा संवर्धन कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और सहयोगात्मक गतिविधियों का आयोजन करके, विभाग छात्रों और व्यापक समुदाय को एक जीवंत भाषा के रूप में संस्कृत के प्रति गहरी समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता आज भी कायम है।

विभाग व्यावहारिक शिक्षण और बोलचाल की संस्कृत पर विशेष जोर देता है, जिसके लिए संवादात्मक शिक्षण विधियों, भाषा शिविरों और प्रतिष्ठित संगठनों के साथ सहयोग का उपयोग किया जाता है। ये पहल भाषाई दक्षता, सांस्कृतिक जागरूकता और भारत की शास्त्रीय ज्ञान परंपराओं की समझ को बढ़ावा देती हैं, साथ ही छात्रों को संस्कृत के अध्ययन से जुड़े विविध शैक्षणिक, साहित्यिक और व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है।

## संकाय सदस्य

**डॉ. विजीत कुमार (शिक्षक प्रभारी )**

# जीव विज्ञान विभाग

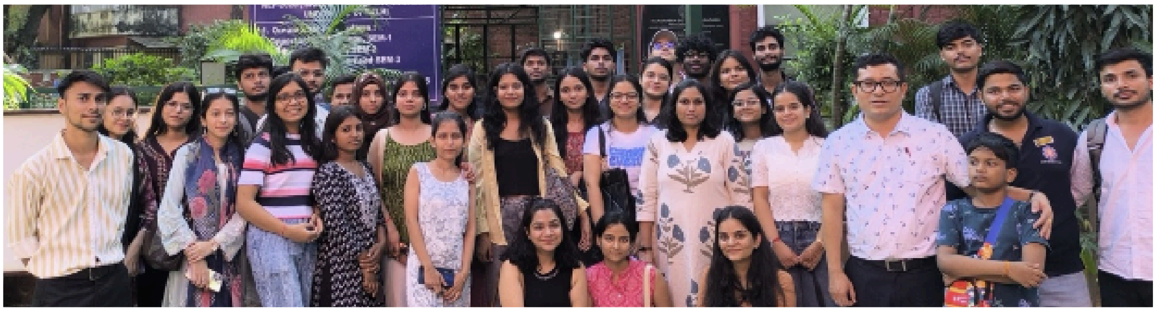

जंतु विज्ञान विभाग व्यावहारिक शिक्षण, वैज्ञानिक जांच और अनुसंधान-उन्मुख शिक्षा के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरिएंटेशन कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, विशेषज्ञों के साथ संवाद, वैज्ञानिक प्रतियोगिताएँ और प्रयोगशाला-आधारित प्रशिक्षण छात्रों को जीव विज्ञान में एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं, साथ ही उनमें जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। विभाग छात्रों को शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने और प्रतिष्ठित संस्थानों में अभिनव वैज्ञानिक विचारों को प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करके अनुसंधान की संस्कृति को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।

व्यावहारिक शिक्षण विभाग के शैक्षणिक दृष्टिकोण का एक मुख्य आधार है। प्रमुख विश्वविद्यालयों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक संस्थानों के शैक्षिक दौरे छात्रों को उन्नत प्रयोगशाला तकनीकों, उभरते अनुसंधान क्षेत्रों और जंतु विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान व संबंधित विषयों में समकालीन विकास से परिचित कराते हैं। प्रसिद्ध शैक्षणिक और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से, विभाग छात्रों को व्यावहारिक कौशल, अनुसंधान क्षमता और व्यावसायिक योग्यताओं से लैस करता है, जिससे वे जैविक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और करियर के लिए तैयार हो सकें।

## संकाय सदस्य

| | |
|---|---|
| **डॉ. कमल जीत डबास** | **डॉ. अनीता सिंह** |
| **श्री ओम प्रकाश सिंह यादव** | **(शिक्षक प्रभारी )** |
| **डॉ. नितिन चौहान** | |

I ♥ SAC
SRI AUROBINDO COLLEGE

I ♥ SAC

I ♥ SAC
SRI AUROBINDO COLLEGE

AUROBINDO COLLEGE

# विभागीय समितियाँ / सोसायटी

| | |
|---|---|
| 1. वनस्पति विज्ञान | आरण्यम (Aaranyam) |
| 2. रसायन विज्ञान | केमफ्रांज़ा (ChemFranza) |
| 3. वाणिज्य | आक्रया (Aakraya) |
| 4. अर्थशास्त्र | अर्थोनॉमिक्स (Arthonomics) |
| 5. इलेक्ट्रॉनिक्स | इलेक्ट्रोनिक (Electronique) |
| 6. अंग्रेज़ी | फीनिक्स-प्रो (Phoenix-Pro) |
| 7. पर्यावरण अध्ययन | पृथ्वी (Prithvi) |
| 8. हिन्दी | नवोन्मेष (Navonmesh) |
| 9. इतिहास | खोज (Khoj) |
| 10. भौतिकी | ग्रैविटास (Gravitas) |
| 11. राजनीति विज्ञान | वी द पीपल (We,The People) |
| 12. संस्कृत | आगम (Aagam) |
| 13. बी.ए. (प्रोग्राम) | तादात्म्य (Tadatmya) |

## महाविद्यालय प्रबंधन

श्री रवींद्र सिंह: प्रशासनिक अधिकारी
श्री अनिल शर्मा: अनुभाग अधिकारी
श्री राजू प्रसाद: अनुभाग अधिकारी (अनुबंध)
श्री तरुण कुमार: वरिष्ठ सहायक
सुश्री तरु सरोही: सहायक
श्री संजय : सहायक
श्री किरण पाल सिंह: सहायक
श्री पंकज कुमार: सहायक
श्री राहुल कुमार दुबे: सहायक
श्री मुकुल : कनिष्ठ सहायक
श्री अभिषेक शर्मा: कनिष्ठ सहायक
श्री आर्यन ठाकुर: कनिष्ठ सहायक
श्री फ़राज़ सैफी: कनिष्ठ सहायक
श्री यश चौधरी: कनिष्ठ सहायक

## लोक सूचना अधिकारी (आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत)

डॉ विनय भारद्वाज, सह- आचार्य

## पुस्तकालय

डॉ. एम. के. गलहोत्रा

## प्रवेश समिति

I. डॉ. मंजू पृथी (प्रवेश समन्वयक)
II. प्रो. रश्मि माथुर (प्रवेश सह-समन्वयक)
III. श्रीमती प्रतिभा कुमारी (बी.ए. (ऑनर्स) समन्वयक)
IV. सुश्री मिनी नारंग (बी.कॉम. (ऑनर्स) समन्वयक)
V. डॉ. वंदना मुंजाल (बी.कॉम. (प्रोग्राम) समन्वयक)
VI. प्रो. मंजू एम. गुप्ता (बी.एससी. (प्रोग्राम एवं ऑनर्स) समन्वयक)
VII. प्रो. रेणु अनूप कुमार (बी.ए. (प्रोग्राम) समन्वयक)
VIII. श्री प्रत्युष (सहायता डेस्क समन्वयक)
IX. डॉ. नितिन चौहान (सहायता डेस्क समन्वयक)
X. डॉ. हिमांशु कुशवाह(विश्वविद्यालय समन्वयक)

## विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रवेश समन्वयक

- बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी – डॉ. हेमचंद्र नामिरकपम
- बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी – डॉ. पंकजेन्द्र किशोर
- बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान – डॉ. अनुराग पाण्डेय
- बी.कॉम. (ऑनर्स) – डॉ. सिल्की जैन
- बी.कॉम. (प्रोग्राम) – डॉ. कपिल गर्ग
- बी.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स – डॉ. रिंकी शर्मा
- बी.एससी. जीवन विज्ञान – डॉ. अविनाश कुमार सोनकर
- बी.एससी. भौतिक विज्ञान – डॉ. अनुपमा यादव
- बी.ए. (प्रोग्राम) – डॉ. शिखर कुमार

## प्रवेश शिकायत निवारण समिति

- प्रवेश शिकायत निवारण समिति
- प्रो. रश्मि माथुर (संयोजक)
- डॉ. मीनाक्षी चौधरी (सह-संयोजक)
- डॉ. प्रशांत बर्थवाल
- डॉ. प्रियंका मीणा (रसायन विज्ञान)
- सुश्री सुकृति सोबती
- श्रीमती शालू
- श्री दिव्येंदु झा
- श्री प्रत्युष कुमार

## प्रवेश संबंधी प्रश्न / शिकायतें

ई-मेल : admission_office@aurobindo.du.ac.in

# प्रस्तावित पाठ्यक्रम – शैक्षणिक वर्ष 2025–26

| स्नातक पाठ्यक्रमों की स्वीकृत छात्र संख्या | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पाठ्यक्रम का नाम | कुल प्रवेश | सामान्य | ईडब्ल्यूएस | एससी | एसटी | ओबीसी | पीडब्ल्यूडी | सीडब्ल्यू | केएम |
| बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी | 58 | 23 | 6 | 9 | 4 | 16 | 3 | 3 | 1 |
| बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी | 58 | 23 | 6 | 9 | 4 | 16 | 3 | 3 | 1 |
| बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान | 77 | 31 | 8 | 12 | 5 | 21 | 4 | 4 | 2 |
| बी.कॉम (प्रोग्राम) | 347 | 140 | 35 | 52 | 26 | 94 | 17 | 17 | 7 |
| बी.कॉम (ऑनर्स) | 77 | 31 | 8 | 12 | 5 | 21 | 4 | 4 | 2 |
| बी.एससी. जीवन विज्ञान | 58 | 23 | 6 | 9 | 4 | 16 | 3 | 3 | 1 |
| बी.एससी. भौतिक विज्ञान | 115 | 46 | 12 | 17 | 9 | 31 | 6 | 6 | 2 |
| बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स | 40 | 16 | 4 | 6 | 3 | 11 | 2 | 2 | 1 |
| **बी.ए. प्रोग्राम विषयवार सीट संरचना** | | | | | | | | | |
| बी.ए. प्रोग्राम राजनीति विज्ञान – इतिहास | 154 | 62 | 16 | 22 | 12 | 42 | 6 | 6 | 2 |
| बी.ए. प्रोग्राम अर्थशास्त्र – राजनीति विज्ञान | 77 | 31 | 7 | 12 | 6 | 21 | 3 | 3 | 1 |
| बी.ए. प्रोग्राम वाणिज्य – अर्थशास्त्र | 77 | 31 | 7 | 12 | 6 | 21 | 3 | 3 | 1 |
| बी.ए. प्रोग्राम इतिहास – अर्थशास्त्र | 44 | 17 | 6 | 7 | 2 | 12 | 2 | 2 | 1 |
| बी.ए. प्रोग्राम संस्कृत – अर्थशास्त्र | 11 | 4 | 1 | 2 | 1 | 3 | 1 | 1 | 1 |
| बी.ए. प्रोग्राम संस्कृत – इतिहास | 11 | 4 | 1 | 2 | 1 | 3 | 1 | 1 | 1 |
| बी.ए. प्रोग्राम संस्कृत – राजनीति विज्ञान | 11 | 4 | 1 | 2 | 1 | 3 | 1 | 1 | 1 |

**कॉलेज पाठ्यक्रम और आरक्षित सीटें महाविद्यालय,दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करता है।**

## आरक्षित सीटें:

1. अनुसूचित जातियाँ (एससी): 15%
2. अनुसूचित जनजातियाँ (एसटी): 7.5%
3. अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी): 27%
4. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस): सरकार के नियम अनुसार

## अतिरिक्त सीटें:

1. दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी): 5%
2. सशस्त्र बलों के अधिकारियों/कर्मचारियों की विधवाएँ/बच्चे (सीडब्ल्यू): 5%
3. अतिरिक्त पाठ्यक्रम उपलब्धियाँ (ईसीए): 2.5%
4. खेल कोटा: 2.5%
5. कश्मीरी प्रवासी (केएम): 5%
6. प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (जम्मू एवं कश्मीर छात्रों हेतु)
7. सिक्किम से नामांकित छात्र (वीसी द्वारा नामित)
8. विदेशी छात्र: 10%
9. दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक/गैर-शिक्षक स्टाफ के बच्चे: 5%
10. अनाथ कोटा: 2 सीटें (1 लड़का, 1 लड़की प्रति कार्यक्रम)
11. एकल बालिका: प्रत्येक कार्यक्रम में 1 सीट

**उपर्युक्त सभी श्रेणियों के अंतर्गत प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किए जाएँगे।**

# प्रवेश-प्रक्रिया

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महावि के समस्त स्नातक कार्यक्रमों के लिए आवंटन-सह-प्रवेश की सूची निम्नलिखित है:

## 1) सीएसएएस के दूसरे चरण की शुरुआत

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) स्नातक के नतीजे घोषित होने के बाद विश्वविद्यालय सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सी.एस.ए.एस)-2025 के प्रारंभ होने की घोषणा करेगा।

इस चरण में जिन अभ्यर्थियों ने पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, पात्रता मानदंडों की पूर्ति के अधीन उन्हें अपने पसंदीदा कार्यक्रम और कॉलेज चुनने के लिए डैशबोर्ड (https://cuet.samarth.ac.in) पर लॉगिन करना होगा।

## 2) करेक्शन विंडो

जिन अभ्यर्थियों ने अपना प्रथम चरण पहले ही पूरा कर लिया है और कुछ क्षेत्रों को सम्पादित या संशोधित करना चाहते हैं. उनके लिए एक करेक्शन विंडो भी प्रदान किया गया है।

यह उम्मीदवारों के लिए अपनी प्रोफाइल अद्यतन करने की मात्र एक बार की सुविधा है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, एनसीएल), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अल्पसंख्यक, बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी) के वे अभ्यर्थी जो अपने अद्यतन दस्तावेज/प्रमाण-पत्र फिर से अपलोड करना चाहते हैं, करेक्शन विंडो में जाकर ऐसा कर सकते हैं। किन्तु अभ्यर्थियों को करेक्शन विंडो में निम्नलिखित क्षेत्र को संपादित /संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी :

क) अभ्यर्थी का नाम
ख) अभ्यर्थी का फोटो
ग) अभ्यर्थी के हस्ताक्षर
घ) अभ्यर्थी का लिंग
ङ) अभ्यर्थी का पंजीकृत ईमेल आईडी
च) अभ्यर्थी का मोबाइल नंबर
छ) अभ्यर्थी की श्रेणी/उप-श्रेणी/जाति/अतिरिक्त कोटा

अभ्यर्थी इसमें 'ईसीए' और 'स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी कोटा' के लिए भी आवेदन नहीं कर पाएँगे। हालाँकि वे अपने प्रमाणपत्र पुनः अपलोड कर सकते हैं। प्रवेश प्रयोजनों के लिए केवल 'सीएसएएस पोर्टल' पर अपलोड किए गए दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों पर ही विचार किया जाएगा।

करेक्शन विंडो के खुलने की तिथि की सूचना दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित करने के उपरांत दी जाएगी।

छात्रों की कक्षाओं में सशरीर शामिल हो जाने पर उनके प्रमाणपत्र का सत्यापन महाविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

## 3) विषयवार मेरिट स्कोर की गणना

चरण-II में, अभ्यर्थियों को कक्षा XII में उनके द्वारा पढ़े गए विषयों को उन विषयों से मिलाना होगा जिनमें वे सीयूईटी -2025 में उपस्थित हुए हैं। केवल उन्हीं विषयों पर विचार किया जाएगा जिनमें अभ्यर्थी ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की हो। यदि कक्षा 12 में पढ़ा गया विषय सीयूईटी का हिस्सा नहीं था, तो कक्षा 12 में पढ़ाए गए विषय के समान या उससे निकट विषय पर विचार किया जाएगा। सही विषय-मानचित्रण उपलब्ध कराना अभ्यर्थी की पूर्ण जिम्मेदारी होगी। प्रवेश के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यक्रम-समूह मेरिट स्कोर की गणना के लिए एनटीए द्वारा प्रदान किए गए विषय-आधारित "सामान्यीकृत स्कोर" पर विचार करेगा। सामान्यीकृत स्कोर के आधार पर, अभ्यर्थी उन सभी कार्यक्रमों के लिए अपने कार्यक्रम-विशिष्ट सीयूईटी स्कोर देख सकेंगे जिनके लिए वे पात्र हैं। ये कार्यक्रम-विशिष्ट सीयूईटी स्कोर स्वचालित रूप से गणना किए जाएंगे और उम्मीदवारों के डैशबोर्ड पर दिखाए जाएंगे।

## 4) वरीयताएँ भरने के लिए सलाह:

अभ्यर्थी "वरीयता चयन" अनुभाग के माध्यम से अपनी वरीयताओं का चयन और क्रम निर्धारित कर सकेंगे। "उपलब्ध प्राथमिकताएँ" टैब में उम्मीदवार द्वारा चुने जा सकने वाले सभी संभावित कार्यक्रम + कॉलेज संयोजन प्रदर्शित होंगे। कॉलेजों के साथ-साथ कार्यक्रमों को फ़िल्टर करने के लिए, ऊपर उपलब्ध "उन्नत फ़िल्टर" विकल्प का भी उपयोग किया जा सकता है। अभ्यर्थी को अपनी पसंद के अनुसार वरीयता क्रम चुनना और सूचीबद्ध करना होगा। चयन का क्रम ही वरीयता क्रम निर्धारित करेगा। आवेदक अपनी प्राथमिकताओं को पुनः व्यवस्थित करने के लिए "शीर्ष, निचला और वरीयता संख्या" आइकन का उपयोग कर सकते हैं।

वरीयताओं का अंतिम क्रम, जैसा कि भरा और सहेजा गया है, फिर “चयनित प्राथमिकताएं” टैब में प्रदर्शित की जाएंगी। वरीयता क्रम से संतुष्ट होने के बाद, अभ्यर्थी को अपनी प्राथमिकताएं प्रस्तुत करने के लिए “परिवर्तन सहेजें” करना होगा। अभ्यर्थियों को उनकी सहेजी गई प्राथमिकताओं के आधार पर आवंटित और प्रवेश दिया जाएगा। यह सलाह दी जाती है कि यदि प्रस्ताव दिया जाए, तो उम्मीदवार अधिकतम संख्या में वरीयताएँ चुनें जिनमें प्रवेश लेना चाहता है। चरण-II की समय-सीमा के बाद कार्यक्रमों और कॉलेजों में जोड़ने/हटाने/या संपादन करने की अनुमति नहीं होगी।

## 5) सीएसएएस (यूजी) – 2026 आवंटन-सह-प्रवेश अनुसूची:

विश्वविद्यालय रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश के और चरणों की घोषणा कर सकता है। स्नातक कार्यक्रमों के लिए सेमेस्टर I, III, V और VII का शैक्षणिक सत्र विश्वविद्यालय द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार शुरू होगा।

कृपया अद्यतन प्रवेश कार्यक्रम और जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

## 6) पहले राउंड में अतिरिक्त आवंटन

पहले राउंड के आवंटन में सिर्फ अनारक्षित (यूआर), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, एनसीएल), आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणियों में 20% अतिरिक्त आवंटन किया जाएगा और सभी महाविद्यालायों के समस्त कार्यक्रमों के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी) श्रेणियों में 30% आवंटन किया जा सकता है। हालाँकि उन महाविद्यालयों में, जहाँ पिछले शैक्षणिक सत्र में प्रवेश हेतु 5% से कम निकासी हुई थी, यूआर/ओबीसी (एनसीएल)/ईडब्ल्यूएस के लिए 10% अतिरिक्त आवंटन और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूबीडी श्रेणियों के लिए 15% अतिरिक्त आवंटन किया जा सकता है।

**कृपया अद्यतन प्रवेश कार्यक्रम और जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।**

## 7. जन जागरूकता वेबिनार

एडमिशन ब्रांच'(नामांकन समिति) ने भावी छात्रों को उनके प्रश्नों के समाधान में मदद करने के लिए हेल्पडेस्क, चैट बॉक्स और ईमेल सुविधा स्थापित की है। विश्वविद्यालय की 'एडमिशन वेबसाइट' http://admission.uod.ac.in पर यह विवरण उपलब्ध है।

वेबिनार का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चौनल दिल्ली विश्वविद्यालय पर किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे 'स्नातक सूचना बुलेटिन 2026' और सीएसएएस 2026 के नियमों को ध्यान से पढ़ें तथा समस्त प्रकार के अपडेट के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय के '**एडमिशन वेबसाइट**' पर जाएँ :

1.स्नातक सूचना बुलेटिन 2026:
**https://www.du.ac.in/uploads/2026/06012026_BOI_UG_2026_27_compressed.pdf**
2.एडमिशन वेबसाइट: http://admission.uod.ac.in
3.सीएसएएस पंजीकरण लिंक: https://ugadmission.uod.ac.in

## 8) स्थानांतरण/प्रवासन

विश्वविद्यालय के किसी अन्य महाविद्यालय से श्री अरविंद महाविद्यालय में प्रवासन हेतु आवेदन पर प्राचार्य द्वारा तभी विचार किया जाएगा, जब वह उस महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा अग्रेषित किया गया हो तथा जहाँ से प्रवासन की मांग की गई हो। नामांकन प्रविष्टियों में आवश्यक परिवर्तन केवल दोनों प्राचार्यों से लिखित सहमति प्राप्त करने के बाद रजिस्ट्रार द्वारा विश्वविद्यालय के रजिस्टर में किया जाएगा। महाविद्यालय स्थानांतरण अनुदान का अधिकार सख्ती से सुरक्षित रखता है।

## उपस्थिति

छात्रों को सभी लेक्चर्स, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल में भाग लेना आवश्यक है। उपस्थिति के उद्देश्य से ट्यूटोरियल को अलग से क्रमांकित किया गया है। विश्वविद्यालय के नियमानुसार, सभी पाठ्यक्रमों के लिए और उत्तरोत्तर शैक्षणिक वर्षों में अलग से न्यूनतम उपस्थिति 66% आवश्यक है। अपेक्षित उपस्थिति प्रतिशत के बिना किसी भी छात्र को विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रवेश शाखा
ADMISSION BRANCH
दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI
दिल्ली DELHI –110007
office@admission.du.ac.in
दूरभाष न. 011–27666073

July 01, 2026

## UNDERGRADUATE ADMISSIONS 2026-27

**University of Delhi announces the Admission Schedule to Undergraduate Programmes**

| | TASK | TIME AND DATES |
|---|---|---|
| REGISTRATION AND CORRECTION WINDOW | Registration Phase I | Friday, June 26, 2026<br>till 11:59 pm, Saturday, July 11, 2026 |
| | Registration Phase II | Friday, July 03, 2026<br>till 11:59 pm, Saturday, July 11, 2026 |
| | Correction Window | 10.00 am Friday, July 10, 2026<br>till 11:59, Saturday, July 11, 2026 |
| DISPLAY OF SIMULATED RANK | Declaration of Simulated Ranks | 05.00 pm, Sunday, July 12, 2026 |
| | Preference Change Window | 05.00 pm, Sunday, July 12, 2026<br>till 04:59 pm, Monday, July 13, 2026 |
| FIRST ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION | Declaration of First CSAS Allocation List | 05.00 pm, Thursday, July 16, 2026 |
| | Candidates to "**Accept**" the Allocated Seat | 05.00 pm, Thursday, July 16, 2026<br>till 11:59 pm, Saturday, July 18, 2026 |
| | College to **Verify and Approve** the online applications | 05.00 pm, Thursday, July 16, 2026<br>till 04:59 pm, Monday, July 20, 2026 |
| | Last date of **Online Payment of Fees** by Candidates | till 11:59 pm, Tuesday, July 21, 2026 |
| SECOND ROUND OF CSAS ALLOCATION AND ADMISSION | Declaration of **Second** CSAS Allocation | 12.00 noon, Saturday, July 25, 2026 |
| | Candidates to "**Accept**" the Allocated seat | Saturday, July 25, 2026<br>till 11:59 pm, Sunday, July 26, 2026 |
| | College to **Verify and Approve** the online applications | Saturday, July 25, 2026<br>till 11:59 pm, Monday, July 27, 2026 |
| | Last date of **Online payment of fees** by the candidate | till 11:59 pm Tuesday, July 28, 2026 |

पता: प्रवेश शाखा, गेट नं. 4, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली–110007
Address: Admission Branch, Near Gate No.4, University of Delhi, Delhi-110007

## आंतरिक मूल्यांकन

विभिन्न विषयों में आंतरिक मूल्यांकन विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

# प्रवेश के समय देय शुल्क एवं अन्य प्रभार (शैक्षणिक सत्र 2026–27)

### स्नातक पाठ्यक्रमों हेतु शुल्क संरचना (2026–27)

| क्र. सं | शुल्क मद | बी.ए. प्रोग्राम / बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी/हिन्दी/ राजनीति विज्ञान/ बी.कॉम./बी.कॉम. (ऑनर्स) (प्रथम वर्ष) | दिव्यांग (PwBD) विद्यार्थियों हेतु (प्रथम वर्ष) | बी.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स / बी.एससी. लाइफ साइंस / बी.एससी. फिजिकल साइंस (प्रथम वर्ष) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निधि | 300 | | 300 |
| 2 | विश्वविद्यालय विकास निधि | 1750 | | 1750 |
| 3 | विश्वविद्यालय सुविधाएँ एवं सेवा शुल्क | 1750 | | 1750 |
| 4 | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) सहायता निधि | 300 | | 300 |
| 5 | दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (DUSU) निधि | 40 | 40 | 40 |
| 6 | शिक्षण शुल्क | 180 | | 180 |
| 7 | महाविद्यालय सुविधाएँ एवं सेवा शुल्क | 2280 | 55 | 2316 |
| 8 | महाविद्यालय विकास निधि | 2470 | | 2470 |
| 9 | महाविद्यालय छात्र कल्याण निधि | 6100 | | 9100 |
| | कुल | **15170** | **95** | **18206** |

## टिप्पणी

(क) विदेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पंजीकरण शुल्क के अतिरिक्त 100 अमेरिकी डॉलर (US $100)के समतुल्य राशि का भुगतान करना होगा।

(ख) प्रवेश के समय विद्यार्थियों को वार्षिक शुल्कों के अतिरिक्त छः माह (मई से अक्टूबर) का शुल्क एकमुश्त जमा करना होगा।

(ग) जब तक विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय के समस्त देय शुल्क जमा नहीं किए जाते तथा इस संबंध में अनापत्ति (Clearance) प्राप्त नहीं कर ली जाती, तब तक उसे विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

## शुल्क वापसी

फीस की वापसी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी।

## सुरक्षा राशि की वापसी

यदि कोई छात्र/छात्रा महाविद्यालय छोड़ने की तिथि से तीन वर्षों के भीतर सुरक्षा राशि की वापसी के लिए आवेदन नहीं करता/करती है, तो उसकी महाविद्यालय एवं पुस्तकालय सुरक्षा राशि स्वतः जब्त मानी जाएगी। यदि छात्र/छात्रा द्वारा महाविद्यालय की किसी संपत्ति को क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उसके द्वारा खो दी जाती है, तो उस स्थिति में सुरक्षा राशि से उपयुक्त कटौती की जाएगी। छात्र/छात्रा की पूर्व सहमति प्राप्त होने पर, शेष सुरक्षा राशि को महाविद्यालय के पूर्व छात्र निधि में स्थानांतरित किया जा सकता है।

## पहचान पत्र

प्रवेश के उपरांत प्रत्येक छात्र/छात्रा को महाविद्यालय द्वारा एक पहचान पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसे महाविद्यालय परिसर में रहते समय हमेशा अपने पास रखना अनिवार्य है। केवल वही छात्र/छात्राएं महाविद्यालयमें प्रवेश के पात्र होंगे जो मुख्य द्वार पर अपना वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करेंगे। महाविद्यालय परिसर में किसी भी समय, किसी भी स्टाफ सदस्य द्वारा माँगे जाने पर पहचान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

पहचान पत्र के खो जाने, क्षतिग्रस्त होने, अत्यधिक अधिलेखन या विकृत हो जाने की स्थिति में, छात्र/छात्रा को उपयुक्त कारण प्रस्तुत करने के साथ-साथ ₹50/- का निर्धारित जुर्माना जमा कराना होगा, जिसके बाद प्रतिरूप पहचान पत्र जारी किया जा सकता है। छात्र/छात्रा को अपने पते में किसी भी परिवर्तन के बारे में महाविद्यालय कार्यालय को तुरंत सूचित करना होगा, अन्यथा उनके पहचान पत्र रद्द कर दिए जाएंगे।

# छात्रवृत्तियाँ / शुल्क रियायत / छात्र सहायता निधि आदि

महाविद्यालय भारत सरकार तथा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं श्रेणियों के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध प्रकार कीछात्रवृत्तियाँ एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। इन योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रवृत्ति/अनुसूचित जाति (SC)/अनुसूचित जनजाति (ST)/अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)/दिव्यांगजन (PwBD) प्रकोष्ठ से प्राप्त की जा सकती है।

आर्थिक रूप से कमजोर अथवा शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी इन सुविधाओं एवं रियायतों के पात्र होते हैं। यदि कोई विद्यार्थी उपस्थिति में अनियमित पाया जाता है अथवा अध्ययन में अपेक्षित प्रगति नहीं करता है, तो महाविद्यालय को ऐसी रियायतों अथवा छात्रवृत्तियों को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने वाले सभी पात्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगजन (PwBD) विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु छात्रवृत्ति प्रपत्र–B निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय आर्थिक रूप से आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की सहायता के उद्देश्य से 'छात्र सहायता निधि (Students' Aid Fund)' का संचालन भी करता है, जिसके अंतर्गत पुस्तकों, छात्रवृत्तियों तथा अन्य शैक्षणिक सहायता के रूप में प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

महाविद्यालय द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए मेधा-सह-साधन (Merit-cum-Means) आधारित दो छात्रवृत्तियाँ प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। प्राप्तकर्ता के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर इन छात्रवृत्तियों का नवीनीकरण प्रतिवर्ष किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ सह-पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को सम्मानित करने हेतु एक विशेष पुरस्कार प्रदान करने पर भी विचार किया जा रहा है।

## श्री अरविन्द शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति योजना

महाविद्यालय द्वारा सामाजिक न्याय एवं समावेशी शिक्षा के उद्देश्य से "श्री अरविन्द शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति योजना" संचालित की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के पात्र विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क (Tuition Fee) की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध हो सके।

## श्री अरविन्द वार्षिक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार

महाविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने तथा विद्यार्थियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से "श्री अरविन्द वार्षिक शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार" प्रदान किए जाएंगे।

इस योजना के अंतर्गत:

- महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग के सर्वोच्च अंक प्राप्त (Department Topper) विद्यार्थी को ₹5,100/- (रुपये पाँच हजार एक सौ मात्र) की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।
- वर्तमान में महाविद्यालय में 09 स्नातक (UG) एवं 01 स्नातकोत्तर (PG) अध्ययन कार्यक्रम संचालित हैं।
- तदनुसार, प्रतिवर्ष कुल 10 शैक्षणिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

## 3. डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रवृत्ति योजना

आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित करने तथा उनकी आर्थिक कठिनाइयों को न्यूनतम करने के उद्देश्य से "डॉ. भीमराव अम्बेडकर छात्रवृत्ति योजना" संचालित की जाएगी।

इस योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों का चयन निम्नलिखित मानदण्डों के आधार पर किया जाएगा:

- विद्यार्थी की आर्थिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि का समग्र मूल्यांकन।
- प्रस्तुत अभिलेखों का सत्यापन एवं विस्तृत परीक्षण।
- चयन समिति द्वारा व्यक्तिगत साक्षात्कार/संवाद।

उपर्युक्त प्रक्रिया के उपरांत विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति का सम्यक् परीक्षण एवं मूल्यांकन करते हुए उन्हें निम्नलिखित श्रेणियों में शिक्षण शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी—

- 100 प्रतिशत शुल्क प्रतिपूर्ति
- 75 प्रतिशत शुल्क प्रतिपूर्ति
- 50 प्रतिशत शुल्क प्रतिपूर्ति
- 25 प्रतिशत शुल्क प्रतिपूर्ति

शुल्क प्रतिपूर्ति की श्रेणी का निर्धारण प्रत्येक आवेदक की आर्थिक स्थिति, प्रस्तुत अभिलेखों तथा चयन समिति द्वारा किए गए समग्र मूल्यांकन के आधार पर निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

## प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना (PM-Vidyalaxmi Scheme)

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरविन्द महाविद्यालय ने विद्यार्थियों कोप्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना के अंतर्गत शैक्षणिक ऋण एवं छात्रवृत्ति संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के साथ सहयोग स्थापित किया है।

इस योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ बनाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा ऋण हेतु एकल-खिड़की डिजिटल मंच (Single Window Digital Platform) उपलब्ध कराया गया है तथा पात्र विद्यार्थियों को, जहाँ लागू हो, भारत सरकार द्वारा निर्धारित ब्याज अनुदान (Interest Subvention) का लाभ भी प्रदान किया जाता है। इस योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य विद्यार्थी आर्थिक अभाव के कारण उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।

PM-Vidyalaxmi पोर्टल के माध्यम से पात्र विद्यार्थी सहभागी बैंकों से शिक्षा ऋण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, सरल एवं सुव्यवस्थित है। योजना का उद्देश्य ऋण आवेदन प्रक्रिया को सहज बनाना, प्रक्रियागत कठिनाइयों को कम करना तथा विद्यार्थियों को समयबद्ध वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन की प्रगति का ऑनलाइन अवलोकन भी कर सकते हैं, जिससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक एवं विद्यार्थी-अनुकूल बनती है।

श्री अरविन्द महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के पश्चात विद्यार्थी PM-Vidyalaxmi पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। महाविद्यालय द्वारा नामित नोडल अधिकारियों के माध्यम से संस्थागत सत्यापन की सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे संबंधित प्राधिकरणों के सहयोग से आवेदन प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि आवेदन पत्र सावधानीपूर्वक भरें तथा सभी आवश्यक एवं सही विवरण उपलब्ध कराएँ, जिससे आवेदन के निस्तारण में किसी प्रकार का विलंब न हो।

आवेदन करते समय निम्नलिखित दस्तावेज़ एवं विवरण उपलब्ध रखें :

- प्रवेश संबंधी विवरण / प्रवेश-पत्र (Offer Letter)
- आधार कार्ड एवं अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज़
- शैक्षणिक अभिलेख एवं अंकतालिकाएँ
- महाविद्यालय का AISHE कोड
- आवश्यकता होने पर बैंक खाते का विवरण
- आय प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक सहायक दस्तावेज़ (जहाँ लागू हो)
- सहभागी बैंक अथवा पोर्टल द्वारा अपेक्षित अन्य दस्तावेज़

यह योजना विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है जिन्हें अपनी शिक्षा निरंतर जारी रखने हेतु वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है। पात्रता एवं समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार विद्यार्थी शिक्षा ऋण, ब्याज अनुदान तथा अन्य उपलब्ध लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

संस्थागत सत्यापन अथवा आवेदन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी सहायता के लिए विद्यार्थी कार्यालय समय में महाविद्यालय कार्यालय अथवा नामित नोडल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

साथ ही, पात्रता, सहभागी बैंक, आवेदन प्रक्रिया एवं नवीनतम दिशा-निर्देशों की जानकारी हेतु विद्यार्थियों कोPM-Vidyalaxmi Portal का नियमित रूप से अवलोकन करने की सलाह दी जाती है।

महाविद्यालय विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का लाभ उपलब्ध कराने तथा उनकी उच्च शिक्षा को सफलतापूर्वक पूर्ण करने में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

**नामित नोडल अधिकारी**

**डॉ. हेमा नागपाल**

**सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग**

**डॉ. दीपक जायसवाल**

**सहायक आचार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग**

## महाविद्यालय पत्रिका

महाविद्यालय द्वारा ‘अरविंद ज्योति’ नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। यह पत्रिका शिक्षकों और छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति, रचनात्मक लेखन तथा विचार प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करती है। यह पत्रिका महाविद्यालय की शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षकों एवं छात्रों की प्रतिभा का जीवंत प्रतिबिंब है।

## धूम्रपान निषेध क्षेत्र

कॉलेज को धूम्रपान-मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है।

## चिकित्सा जांच और अनुवर्ती कार्रवाई

महाविद्यालय में छात्रों की वार्षिक चिकित्सा जांच का कार्य आगंतुक चिकित्सकों की एक टीम द्वारा किया जाता है। साथ ही, छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच हेतु एक पूर्णकालिक नर्स की भी नियुक्ति की गई है।

## खेल

महाविद्यालय की खेल टीमें विगत वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की गौरवशाली परंपरा को निभाती आ रही हैं। मुक्केबाज़ी, तीरंदाज़ी, जिमनास्टिक, जूडो या क्रिकेट—हर खेल क्षेत्र में हमारे प्रतिभावान खिलाड़ियों ने जीत का परचम लहराया है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि महाविद्यालय प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय को अनेक सक्षम और प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध कराता है। इन उपलब्धियों के पीछे खिलाड़ियों की निष्ठा, अनुशासन, और कठोर परिश्रम के साथ-साथ प्रशिक्षकों एवं खेल समिति की सतत प्रेरणा और मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान है।

# राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)

महाविद्यालय की एनसीसी इकाई सशक्त और सक्रिय संगठन के रूप में उभरकर सामने आई है, जिसकी वार्षिक प्रशिक्षण और सांस्कृतिक गतिविधियाँ अत्यंत सराहनीय रही हैं। नवोदित देशभक्तों की इस टुकड़ी का नेतृत्व हमारे अनुभवी एनसीसी अधिकारी द्वारा कुशलतापूर्वक किया जाता है। गत वर्ष कैडेट्स ने अपनी लगन और अनुशासन का परिचय देते हुए कॉलेज परिसर से लेकर समाजिक सेवा तक विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के अनेक शिविरों में भागीदारी की और 'बी' एवं 'सी' प्रमाण पत्र परीक्षाओं में

उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की। एनसीसी ने "एकता और अनुशासन" के अपने आदर्श वाक्य को सम्मान, समर्पण और राष्ट्रीय सेवा की भावना के साथ निरंतर बनाए रखा है।

# राष्ट्रीय सेवा योजना

श्री अरविन्द महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई "Not Me, But You" के आदर्श वाक्य के अनुरूप विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन तथा राष्ट्रसेवा की भावना का विकास करती है। इकाई स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य, साक्षरता, रक्तदान, समावेशी शिक्षा तथा सामुदायिक विकास जैसे विविध क्षेत्रों में अभियान, जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, विशेष शिविर एवं सेवा गतिविधियाँ आयोजित करती है। इन पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता, टीमवर्क, नेतृत्व कौशल तथा जनसेवा के प्रति समर्पण की भावना विकसित होती है, जिससे वे जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित होते हैं।

## कैंटीन & नेस्कैफे

महाविद्यालय की कैंटीन परिसर के सबसे जीवंत और लोकप्रिय स्थलों में से एक है, जहाँ छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी एक साथ समय बिताते हैं। यहाँ स्वच्छ, पौष्टिक, किफायती तथा ताज़ा तैयार किए गए विविध प्रकार के नाश्ते और भोजन उपलब्ध कराए जाते हैं। आरामदायक वातावरण से युक्त यह स्थान कक्षाओं के बीच विश्राम करने, आपसी संवाद स्थापित करने तथा नई ऊर्जा प्राप्त करने के लिए एक आदर्श केंद्र है।

परिसर स्थित नेस्कैफ़े आउटलेट भी विद्यार्थियों का अत्यंत प्रिय मिलन-स्थल है, जो अपनी ताज़ी बनी कॉफी, ताज़गी प्रदान करने वाले पेय पदार्थों तथा शीघ्र उपलब्ध होने वाले स्वादिष्ट स्नैक्स के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ परोसे जाने वाले करारे फ्रेंच फ्राइज़, स्वादिष्ट सैंडविच और ताज़गीभरी आइस्ड टी विशेष रूप से विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय हैं। यह स्थान अनौपचारिक चर्चाओं, समूह अध्ययन तथा कक्षाओं के बीच मित्रों के साथ समय बिताने के लिए सदैव जीवंत बना रहता है।

## महाविद्यालय का समय

कक्षाएँ प्रातः 8:15 बजे शुरू होती है।

## कार्यालय का समय

छात्र-व्यवहार सभी कार्य दिवसों पर प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और पुनः दोपहर 1:30 बजे से 3:30 बजे के बीच किया जाता है। महाविद्यालय का कार्यकाल सोमवार से शुक्रवार तक खुला रहता है।

# छात्र संघ

छात्र संघ महाविद्यालय में छात्रों की गतिविधियों का केंद्र बिंदु है। इसकी सदस्यता महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। इसका उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना और उन्हें लोकतांत्रिक संस्थानों के तरीकों में प्रशिक्षित करना है।

## अध्यादेश XV-वी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

(1) अनुशासन और अनुशासन संबंधी कार्यवाही से संबंधित सभी शक्तियों प्राचार्य/उप कुलपति में निहित होंगी।

(2) प्राचार्य/उप कुलपति ऐसी सभी शक्तियों को प्रॉक्टर या इसी प्रकार के किसी अन्य अधिकारी, जिसे वे विशेष रूप से निर्दिष्ट करें, सौंप सकते हैं।

(3) बिना किसी पूर्वग्रह के अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता के अन्तर्गत निम्नलिखित कृत्य अनुशासनहीनता माने जाएँगे।

( क) दिल्ली विश्वविद्यालय के दायरे में किसी भी संस्थान विभाग के शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक कर्मचारियों तथा किसी भी छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला या बल प्रयोग की धमकी।

(ख) किसी भी प्रकार के हथियार को साथ रखना, उसका उपयोग या उसके इस्तेमाल करने की धमकी देना।

(ग) नागरिक अधिकार सुरक्षा अधिनियम 1976 कानून का किसी भी प्रकार से उल्लंघन करना ।

(घ) अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंधित छात्रों की परिस्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना ।

(ड.)महिलाओं के प्रति किसी भी तरह का मौखिक या अन्य तरीके का अपमानजनक व्यवहार।

(च) रिश्वत देने का कोई भी प्रयास या किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार ।

(छ) संस्थागत सम्पत्ति को जानबूझकर क्षति पहुँचाना।

( ज) धार्मिक या साम्प्रदायिक आधार पर वैमनष्यता या असहिष्णुता ।

(झ) विश्वविद्यालयी व्यवस्था के शैक्षणिक कार्यकलाप को किसी भी तरह से बाधा पहुँचाना।

(ज) अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग करना।

(4) प्राचार्य, बिना किसी पूर्वग्रह के अनुशासन बनाए रखने संबंधी अपनी शक्तियों की व्यापकता का उपयोग कर सकता/सकती है और अनुशासन को बनाए रखने के हित में प्राचार्य को जो भी उचित लगे, अपनी शक्तियों का आदेश देकर या सीधे कार्यवाही कर सकता/सकती है, जैसे-

(क) कोई भी छात्र या छात्र समूह निष्कासित किया जा सकता है। या
(ख) कोई भी छात्र या छात्र-समूह एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जा सकता है। या
(ग) किसी एक निश्चित अवधि के लिए किसी भी विषय या विषयों में महाविद्यालय के विभाग या विश्वविद्यालय के किसी संस्थान में प्रवेश नहीं ले सकेगा। या
(घ) एक निर्दिष्ट रुपये की धनराशि का जुर्माना किया जा सकता है। या
(ड.) विश्वविद्यालय या महाविद्यालय की विभागीय परीक्षा जिसमें उसने भाग लिया हो, प्रतिबंधित या रद्द किया जा सकता है।
(5) प्रत्येक विद्यार्थी से यह आशा की जाती है कि वह इन नियमों की एक प्रति अपने पास रखेगा/रखेगी। प्रवेश के समय सभी विद्यार्थियों को एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा कि प्रवेश लेने पर वह प्राचार्य/उपकुलपति एवं अन्य सक्षम अधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र में आएगा /आएगी और सक्षम अधिकारी विश्वविद्यालय के अध्यादेश/अधिनियम के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही कर सकते हैं।

## अध्यादेश XV-वी

### रैगिंग पर प्रतिबन्ध और दण्ड का प्रावधान

(1) किसी भी प्रकार की रैगिंग चाहे वह महाविद्यालय परिसर के भीतर हो अथवा विभाग या संस्था और
दिल्ली विश्वविद्यालय की व्यवस्था के अतिरिक्त आम यातायात में हो, सख्ती से प्रतिबंधित है।
(2) व्यक्तिगत था त्सामूहिक रैगिंग जिससे चोर अनुशासनहीनता पैदा हो. इस अध्यादेश के अंतर्गत विवारणीय होगा।
(3) इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग का सामान्यतः अभिप्राय है सीनियर विद्यार्थियों का जूनियर विद्यार्थियों के समुझ्ख शक्ति प्रदर्शन, उन पर हावी हो जाना, उन्हें नीचा आदि के अंतर्गत
निम्न बातें शामिल हैं:-
(क) शारीरिक यातना और धमकी
(ख) छात्र की मान-मर्यादा और प्रतिष्ठा का उल्लंघन
(ग) अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों का अपमान
(घ) विद्यार्थियों की खिल्ली उड़ाना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँचान गाली-गलौज, आक्रामकता, बुरी नजर और अश्लील हरकत करना आदि

(4) महाविद्यालय के प्राचार्य, विभाग या संस्था के अध्यक्ष, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय या छात्रावासों के साम अधिकारी रेगिंग की घटना पर तुरंत कार्रवाई कर सकते हैं।

(5) क्लॉज (4) के तहत संज्ञान लेते हुए महाविद्यालय के अनुशासनाधिकारी रैगिंग की किसी भी घटना पर जाँच कर सकते हैं और प्राचार्य/उप-कुलपति को रैगिंग की प्रकृति और उसमें शामिल व्यक्तियों की अभिसूचना दे सकते हैं।

(6) अनुशासनाधिकारी रैगिंग करने वाले के विरूद्ध अपनी आरंभिक रिपोर्ट प्राचार्य को सौंप सकता है।

(7) यदि प्राचार्य या विभाग के अध्यक्ष या संस्थान के अनुशासनाधिकारी लिखित रूप से रिकार्ड किए गए तथ्यों से संतुष्ट हो तो जाँच करना अनावश्यक होगा। इसके आधार पर वे प्राचार्य/उपकुलपति को सीधे अपनी राय दे सकते हैं।

(8) यदि प्राचार्य/उपकुलपति को लगे कि इसमें आगे जाँच करना आवश्यक नहीं है तो उन्हीं का निर्णय अंतिम होगा।

(9) क्लॉज (5) था (6) के अन्तर्गत प्राप्त रिपोर्ट या क्लॉज, तीन (ए). (बी) और (सी) के अंतर्गत उल्लिखित रैगिंग की घटना पर क्लॉज (7) के अंतर्गत दृढ़ निश्चय द्वारा प्राचार्य / उपकुलपति स्वयं दंडात्मक कार्रवाई करते हुए विद्यार्थी का प्रवेश रद्द कर सकते है या कुछ वर्षों के लिए उसे निष्कासित कर सकते हैं।

(10 ) रैगिंग संबंधी अन्य घटनाओं पर प्राचार्य/उपकुलपति निर्देश या आज्ञा द्वारा विद्यार्थी को कुछ निश्चित समय के लिए महाविद्यालय के पाठ्यक्रम एवं परीक्षा से एक या अधिक वर्षों के लिए बाहर कर सकते है या उसकी परीक्षा के परिणाम निरस्त कर सकते हैं।

(11) ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री डिप्लोमा लिया हो, यदि इस अध्यादेश के अंतर्गत अपराधी पाए जाते हैं, तो विश्वविद्यालय के परामर्श पर उनकी डिग्री-डिप्लोमा वापस लेने के लिए स्थिति (15) के तहत उनके विरूद्ध समुचित कार्रवाई की जायेगी।

(12) इस अध्यादेश के अनुसार रैगिंग के लिए उकसाना, वह चाहे किसी कृत्य के द्वारा हो या किसी व्यवहार के द्वारा भी रैगिंग माना जाएगा।

(13) इस अध्यादेश के अन्तर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी संस्थानों को उक्त निर्देशों एवं आदेशों का पालन करना अनिवार्य है साथ ही वे उपकुलपति द्वारा इस अध्यादेश को प्रभावपूर्ण ढंग से कार्यान्वित करने में सहायक हो सकते हैं।

**नोट: भारत सरकार के नियमों के अनुसार रैगिंग एक दंडनीय अपराध है।**

## कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन शोषण (बंद करना, प्रतिबंधित करना और क्षतिपूर्ति), अधिनियम 2013, (विधि और न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण के विरूद्ध सुरक्षा प्रदान करने का अधिनियम एवं शिकायतकर्ता के यौन शोषण के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए यौन शोषण को प्रतिबंधित करना एवं उसकी क्षतिपूर्ति से संबंधित मामले-

महिलाओं का उनके कार्यस्थल पर शोषण न हो, साथ ही भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 व 15 के अनुसार समानता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न हो तथा अनुच्छेद 21 के अनुसार उनको यौन शोषण मुक्त सुरक्षित वातावरण में कोई भी व्यवसाय, नौकरी, व्यापार करने का अधिकार हो। महिलाओं के सम्मानपूर्वक कार्य करने के मानवाधिकार को अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों द्वारा भी सर्वत्र मान्यता प्राप्त है, उनके प्रति सभी प्रकार के भेदभावों का बहिष्कार किया गया है। इसका समर्थन 25 जून 1993 को भारत सरकार ने किया है। महाविद्यालय में इससे संबंधित आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित नियमों के तहत कार्य करती है।

महाविद्यालय लैंगिक तटस्थता की नीति में विश्वास करता है और सभी लिंगों का सम्मान करता है।

## माता-पिता/अभिभावक

महाविद्यालय को विद्यार्थियों के माता-पिता और अभिभावकों के सहयोग की सदैव आवश्यकता होती है। महाविद्यालय यथासंभव विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी हेतु प्रोत्साहित करता है और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट उनके माता-पिता/अभिभावकों के पास भेजने के लिए प्रयत्नशील रहता है।

# पुस्तकालय एवं अध्ययन कक्ष

श्री अरविन्द महाविद्यालय में पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय है। अपने छात्रों को उनकी प्रतिभा के शिखर तक पहुँचाने के लिए महाविद्यालय के पास विभिन्न अनुशासनों की पुस्तकें बड़ी मात्र में उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में 66765 पुस्तकें हैं।

अध्ययन कक्ष में समाचार पत्र-पत्रिकाएँ, जर्नल्स, सामयिकी आदि उपलब्ध हैं। कॉलेज के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के तहत, कॉलेज कैंपस में एक नया रीडिंग रूम भी बनाया गया है। नए रीडिंग रूम में वे सभी सुविधाएँ हैं जो स्टूडेंट्स को आराम से और ध्यान लगाकर पढ़ाई करने में मदद करेंगी। लाइब्रेरी के रीडिंग रूम में रोज़ाना अख़बार, मैगज़ीन, जर्नल्स और पीरियोडिकल्स उपलब्ध रहते हैं। कॉलेज लाइब्रेरी में 66 ई-मैगज़ीन आती हैं और मौजूदा कलेक्शन में हर साल नया मटीरियल जोड़ा जाता है।

पुस्तकालय के नियमों का पालन करना एवं इसको अध्ययन की जगह बनाना विद्यार्थियों की जिम्मेदारी है। पुस्तकालय की किसी पुस्तक, सामयिकी या किसी जर्नल के पन्नों को किसी भी परिस्थिति में फाड़ना-मोड़ना सख्त मना है। पुस्तकालय परिसर में शांति बनाए रखना अति आवश्यक है।

# सेमिनार कक्ष

महाविद्यालय का सेमिनार कक्ष शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के आयोजन हेतु एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित परिसर है। यह अत्याधुनिक ऑडियो-विज़ुअल सुविधाओं, प्रोजेक्टर, ध्वनि व्यवस्था तथा आरामदायक बैठक व्यवस्था से सुसज्जित है। यहाँ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, अतिथि व्याख्यानों, अभिमुखीकरण कार्यक्रमों, छात्र प्रस्तुतियों, विभागीय गतिविधियों तथा विभिन्न समितियों एवं सोसायटियों के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। ज्ञान-विनिमय, संवाद, नवाचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने वाला यह सेमिनार कक्ष विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए एक सशक्त शैक्षणिक मंच प्रदान करता है।

# प्रयोगशाला की सुविधा

महाविद्यालय के विज्ञान विभाग में अति विकसित प्रयोगशालाएँ हैं। भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स की प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों एवं यंत्रों से समृद्ध हैं।

## रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

## वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला

## इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

## जीव विज्ञान प्रयोगशाला

# कंप्यूटर प्रयोगशाला

महाविद्यालय में केंद्रीत इंटरनेट सुविधा के साथ एक सुसज्जित कंप्यूटर लैब है। कंप्यूटर लैब का उपयोग छात्रों द्वारा अपने पाठ्यक्रम कार्य का अध्ययन करने के अलावा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अपने ज्ञान को बढ़ाने और विकसित करने के लिए भी किया जा सकता है।

# प्रमुख अवसंरचनात्मक एवं विकासात्मक कार्य

1. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सभी कक्षाओं में पोडियम (Podium) स्थापित किए गए।
2. विद्यार्थियों की सुविधा हेतु परिसर में नेस्कैफ़े (Nescafé) स्टॉल की स्थापना की गई।
3. उन्नत सुविधाओं से युक्त नवीन क्रीड़ा कक्ष (Sports Room) का निर्माण किया गया।
4. सामग्री के सुव्यवस्थित भंडारण एवं प्रबंधन हेतु नवीन स्टोर रूम का निर्माण किया गया।
5. शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के संचालन हेतु नवीन कौशल विकास एवं बहुउद्देशीय सभागार (Skill Development and Multipurpose Hall) का निर्माण किया गया।
6. विद्यार्थियों को शांत एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने हेतु पुस्तकालय में समर्पित वाचन कक्ष (Reading Room) की स्थापना की गई।
7. पुस्तकालय संचालन को अधिक सुव्यवस्थित, संसाधन प्रबंधन को प्रभावी तथा उपयोगकर्ता सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए नवीन पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (Library Management System) लागू की गई।
8. परिसर के सौंदर्यीकरण एवं समग्र वातावरण को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से सजावटी फव्वारों की स्थापना की गई।
9. परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए नवीन सीसीटीवी निगरानी प्रणाली (CCTV Surveillance System) स्थापित की गई।
10. शैक्षणिक विभागों, प्रशासनिक कार्यालय तथा कौशल विकास केंद्र के लिए 150 नए डेस्कटॉप कंप्यूटर क्रय एवं स्थापित किए गए।
11. विभिन्न शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक कार्यालय के लिए 11 नए प्रिंटर तथा 10 नए लैपटॉप क्रय किए गए।

# प्रमुख अवसंरचनात्मक एवं विकासात्मक कार्य

12. प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण-अधिगम को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न विभागों में इंटरैक्टिव स्मार्ट पैनल स्थापित किए गए।
13. महाविद्यालय परिसर में व्यापक स्तर पर मरम्मत, नवीनीकरण एवं अनुरक्षण कार्य संपन्न किए गए।
14. विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाओं से युक्त नवीन कैंटीन भवन का निर्माण किया गया।
15. संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं एवं संस्थागत कार्यक्रमों के आयोजन हेतु नवीन बहुउद्देशीय/सम्मेलन सभागार (Multipurpose/Conference Hall) का निर्माण किया गया।
16. छात्राओं एवं छात्रों के लिए नवीन शौचालयों का निर्माण कर स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया।
17. परिसर में सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नए वाटर कूलर स्थापित किए गए तथा पूर्व स्थापित वाटर कूलरों की मरम्मत एवं अनुरक्षण कराया गया।
18. प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सेमिनार हॉल एवं कार्यालयों में नए वातानुकूलन (Air Conditioning) उपकरण स्थापित किए गए तथा पूर्व स्थापित ए.सी. प्रणालियों की मरम्मत एवं अनुरक्षण कर कार्यकुशलता एवं उपयोगकर्ता सुविधा में वृद्धि की गई।
19. परिसर में सुरक्षित, विश्वसनीय एवं स्वच्छ जलापूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छह नए ओवरहेड जल भंडारण टैंकों (Overhead Water Storage Tanks) की स्थापना की गई, जिससे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए जल उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के उच्च मानकों को बढ़ावा मिला।

# सांस्कृतिक गतिविधियाँ

श्री अरविंद महाविद्यालय का नाटक, संगीत, फोटोग्राफी, नृत्य और वाद-विवाद जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों में एक शानदार इतिहास रहा है। कॉलेज का एक सक्रिय सांस्कृतिक समूह है जिसने यूनिवर्सिटी के सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। ये गतिविधियाँ हमारी आठ रजिस्टर्ड सांस्कृतिक सोसायटियों के ज़रिए आयोजित की जाती हैं: मोक्ष (थिएटर), क्रंक (वेस्टर्न डांस), बैंडवैगन्स (फैशन), तालीम (भारतीय संगीत), एलेग्रो (वेस्टर्न संगीत), सेज (साहित्यिक), 3Ps (पेंटिंग, पोस्टर और फोटोग्राफी) और साल्वेशन (पर्यावरण)।

फैकल्टी कोऑर्डिनेटर्स के कुशल मार्गदर्शन में, ये समितियां , छात्रों को अलग-अलग शानदार इंटर-कॉलेज और इंट्रा-कॉलेज इवेंट्स में परफॉर्म करने और हिस्सा लेने के लिए तैयार करती हैं। कॉलेज में नई प्रतिभाओं को खोजने के लिए, सितंबर की शुरुआत में सालाना 'टैलेंट हंट' प्रतियोगिता आयोजित करता है। छात्रों ने पहले भी कई इंटर और इंट्रा-कॉलेज प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सालाना सांस्कृतिक उत्सवों में बेहतरीन प्रदर्शन करके कॉलेज का नाम रोशन किया है। नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स सेल, नॉर्थ-ईस्ट के छात्रों के लिए एक समावेशी माहौल बनाता है और अपने सालाना उत्सव के ज़रिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

कॉलेज का सालाना कल्चरल फेस्टिवल 'महक' दो दिन का एक ऐसा इवेंट है जिसका बेसब्री से इंतज़ार किया जाता है। इसमें देश भर के अलग-अलग संस्थानों से छात्र कई तरह की प्रतियोगिताओं में पूरे जोश के साथ हिस्सा लेते हैं। यह कॉलेज 'स्पिकमैके' (Spicmacay) का भी सदस्य है, जो युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने वाली संस्था है। इस तरह के सालाना कार्यक्रमों से छात्रों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की बेहतर समझ बनाने में मदद मिलती है।

# सांस्कृतिक समितियां

## एस्थेटिका

एस्थेटिका हमारे महाविद्यालय की सबसे सक्रिय संस्थाओं में से एक है, जिसमें सात उप-टीमों में 72 से अधिक सदस्य हैं। रचनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित छात्रों को एक समावेशी परिसर में फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियोग्राफी, डिज़ाइन और घटना प्रबंधन के माध्यम से अपनी प्रतिभा विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।

## क्रंक

क्रंक वेस्टर्न डांस सोसाइटी छात्रों को प्रदर्शन, प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। टीम वर्क, जुनून और कलात्मक अभिव्यक्ति पर एक मज़बूत ज़ोर के साथ, क्रंक ने खुद को दिल्ली विश्वविद्यालय में अग्रणी पश्चिमी नृत्य समाजों में से एक के रूप में स्थापित किया है, जो ऊर्जा और विशिष्टता के साथ महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करता है।

## बैंडवैगन

बैंडवैगन द फैशन सोसाइटी छात्रों को टीम वर्क और कलात्मक नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए, रनवे प्रस्तुति, कोरियोग्राफ़ी, स्टाइलिंग और मॉडलिंग सहित फैशन के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के अवसर प्रदान करती है। इंटर-कॉलेज कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, बैंडवैगन उत्कृष्टता और व्यावसायिकता के साथ हमारे महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करता है।

# सांस्कृतिक समितियां

## नदांता

नदांत भारतीय लोक और शास्त्रीय नृत्य सोसायटी है जो नृत्य की कला के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह सोसाइटी छात्रों को रचनात्मकता, अनुशासन, टीम वर्क और सांस्कृतिक प्रशंसा को बढ़ावा देते हुए विविध भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य रूपों का पता लगाने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से, नदांता भारतीय परंपरा की सुंदरता का प्रतिनिधित्व करता है और छात्रों को नृत्य के माध्यम से खुद को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है।

## स्पिक मैके

यह एक सांस्कृतिक उत्सव की सोसाइटी है जो छात्रों को देश के शास्त्रीय संगीत, नृत्य, कला और पारंपरिक ज्ञान से परिचित कराकर भारत की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा व्याख्यान, कार्यशालाओं और प्रदर्शन के माध्यम से, समाज छात्रों को परिसर में कलात्मक जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए, भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करने और उनसे जुड़ने के सार्थक अवसर प्रदान करता है।

## तालीम

तालीम महाविद्यालय की भारतीय शास्त्रीय संगीत की सोसाइटी है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह संस्था छात्रों को एकल, युगल, समूह और गाना बजानेवालों के प्रदर्शन, प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी संगीत प्रतिभा विकसित करने के अवसर प्रदान करता है। रचनात्मकता, अनुशासन और सहयोग को प्रोत्साहित करके, तालीम परिसर में कलात्मक उत्कृष्टता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देते हुए भारतीय संगीत का पोषण करता है।

# सांस्कृतिक समितियां

## मोक्ष

मोक्ष महाविद्यालय की नाट्य सोसाइटी है, जो थिएटर के माध्यम से रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक जागरूकता का पोषण करने के लिए समर्पित है। समाज छात्रों को टीम वर्क, आत्मविश्वास और सार्थक कहानी कहने को प्रोत्साहित करते हुए अभिनय, पटकथा लेखन, निर्देशन, मंच शिल्प और स्ट्रीट थिएटर का पता लगाने के अवसर प्रदान करता है। अपने प्रभावशाली प्रदर्शन और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, मोक्ष उत्कृष्टता और नवाचार के साथ कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना जारी रखता है।

## एलेग्रो

एलेग्रो पश्चिमी संगीत पर आधारित संस्था है।जहाँ संगीत केप्रतिभाशाली गायकों, वाद्ययंत्रों और बैंडों को एक साथ एक मंच पर प्रस्तुत करते हुए, सोसाइटी के छात्रों को लाइव प्रदर्शन, प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से अपनी संगीत क्षमताओं को सुधारने के लिए एक मंच प्रदान करता है। एलेग्रो एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देता है जो महाविद्यालय के सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करते हुए नवाचार, आत्मविश्वास और कलात्मक विकास को प्रोत्साहित करता है

## महक - वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव

# अन्य समितियां /क्लब्स/संगठन

## महिला विकास प्रकोष्ठ

महिला विकास प्रकोष्ठ (WDC) महाविद्यालय परिसर में सुरक्षित, समावेशी एवं सशक्त वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध एक सक्रिय छात्र मंच है, जिसका उद्देश्य लैंगिक समानता, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। विचार-विमर्श, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह प्रकोष्ठ महिला अधिकारों, गरिमा, समान अवसरों तथा सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देता है। साथ ही, यह विद्यार्थियों को संवेदनशील, उत्तरदायी एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनने के लिए प्रेरित करता है।1

## एनैक्टस

एनैक्टस एक छात्र-प्रेरित संस्था है, जो उद्यमिता, नवाचार एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनने के लिए प्रतिबद्ध है। व्यावसायिक दृष्टि को सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित करते हुए यह संस्था विद्यार्थियों को समसामयिक सामाजिक चुनौतियों के लिए नवोन्मेषी, व्यावहारिक एवं सतत समाधान विकसित करने हेतु प्रेरित करती है। साथ ही, यह उनके व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, उद्यमशील दृष्टिकोण तथा सामाजिक संवेदनशीलता जैसे गुणों का विकास कर उन्हें उत्तरदायी नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करती है।

## ट्रिविया – क्विज़ समिति

ट्रिविया (Trivia) – क्विज़ समिति विद्यार्थियों में बौद्धिक जिज्ञासा, समालोचनात्मक चिंतन तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यरत एक सक्रिय छात्र समिति है। विविध विषयों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं एवं शैक्षणिक आयोजनों के माध्यम से यह समिति विद्यार्थियों को अपने ज्ञान-क्षेत्र का विस्तार करने, विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने तथा टीम भावना और आजीवन अधिगम की संस्कृति को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करती है। समिति का उद्देश्य केवल ज्ञान का परीक्षण करना ही नहीं, बल्कि जिज्ञासा, तार्किकता और बौद्धिक उत्कृष्टता को भी निरंतर प्रोत्साहित करना है।

# अन्य समितियां /क्लब्स/संगठन

## प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल करियर परामर्श, कौशल-निर्माण कार्यशालाओं, भर्तीकर्ता बातचीत और प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से छात्रों को कॉर्पोरेट दुनिया के साथ जोड़ता है। इस साल, 500 से अधिक छात्रों ने वार्षिक नौकरी और इंटर्नशिप मेले में भाग लिया, जिसमें 45+ प्रमुख भर्तीकर्ता, 50+ नौकरी प्रोफाइल और 104+ इंटर्नशिप और प्लेसमेंट ऑफ़र शामिल थे।

## करियर परामर्श और मार्गदर्शन सेल

यह संस्था छात्रों को करियर परामर्श, विशेषज्ञ वार्ता, कौशल-विकास कार्यशालाओं, साइकोमेट्रिक आकलन और उद्योग-उन्मुख मार्गदर्शन के माध्यम से सूचित करियर विकल्पों का समर्थन करने के लिए सशक्त बनाता है। यह अपने वार्षिक उत्सव का भी आयोजन करता है, जिसमें प्रतिष्ठित वक्ता, प्रतियोगिताएं और इंटरैक्टिव सत्र शामिल हैं जो पेशेवर तत्परता और समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं।

## ई-सेल

श्री अरविंद महाविद्यालय का ई-सेल छात्रों के बीच एक उद्यमी मानसिकता विकसित करने के लिए नियमित रूप से व्यावहारिक वक्ता सत्र, पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव गतिविधियों का आयोजन करता है। इसका प्रमुख ई-समिति स्टार्टअप और नवाचार पर विचारों के आकर्षक आदान-प्रदान के लिए उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और छात्रों को एक साथ लाता है।

# अन्य समितियां /क्लब्स/संगठन

## नैतिकायन

नैतिकायन एक जीवंत, छात्र-संचालित मंच के रूप में कार्य करता है जो प्रतिबिंब, ज़िम्मेदारी और मूल्य-उन्मुख सोच को पोषित करने के लिए समर्पित है। यह व्याख्यान, चर्चाओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सहयोगी पहलों के माध्यम से छात्रों को ईमानदारी, सहानुभूति, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक नागरिकता के मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने की दिशा में काम करता है।

## पृथ्वी इको क्लब

पृथ्वी (Prithvi) इको क्लब, छात्रों को पर्यावरण संरक्षण तथा एक अधिक सतत (सस्टेनेबल) भविष्य के निर्माण के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। यह क्लब जागरूकता,अभियानों, शैक्षिक भ्रमणों, कार्यशालाओं तथा सामुदायिक जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाता है। इसका उद्देश्य छात्रों में पारिस्थितिक संरक्षण के महत्व की गहन समझ विकसित करना तथा उन्हें पर्यावरण-अनुकूल और उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

## सेज – वाद-विवाद समिति

सेज (SAGE) – वाद-विवाद समिति विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन, प्रभावशाली अभिव्यक्ति तथा सार्थक संवाद की संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से कार्यरत एक सशक्त छात्र मंच है। बौद्धिक जिज्ञासा, तार्किक विमर्श और विचारोत्तेजक चर्चा को प्रोत्साहित करते हुए यह समिति छात्रों को सार्वजनिक वक्तृत्व, वाद-विवाद तथा नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में दक्ष बनने के लिए प्रेरित करती है। साथ ही, यह विविध दृष्टिकोणों के प्रति सम्मान, लोकतांत्रिक संवाद की भावना तथा सामाजिक-वैचारिक संवेदनशीलता का भी विकास करती है।

# अन्य समितियां /क्लब्स/संगठन

## पूर्वोत्तर और लद्दाख छात्र संस्था

भारत के पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्रों के छात्रों के लिए समावेशिता, सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

## राजभाषा कार्यान्वयन समिति

राजभाषा कार्यान्वयन समिति- महाविद्यालय में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देती है और व्याख्यान, सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को मंच प्रदान करती है। यह समिति राष्ट्र निर्माण, संस्कृति और डिजिटल युग में उनकी उभरती भूमिका पर बातचीत को प्रोत्साहित करते हुए हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं की सराहना को बढ़ावा देती है।

## स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति

यह संस्था स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, रोग प्रतिरोधक अभियानों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है। यह समिति छात्रों के बीच स्वस्थ जीवन शैली और सूचित स्वास्थ्य प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर, प्रतियोगिताओं, सर्वेक्षण और कार्यशाला गतिविधियों का आयोजन करती है।

SRI AUROBINDO COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

PARTITION MUSEUM

Haier

DIEGO

STUDENTS UNION
conducts
Mohit Yadav
President

# सूचना

शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए पहले, तीसरे, पाँचवे और सातवें सेमेस्टर(सत्र) के सुसंगत स्नातक पाठ्यक्रमों हेतु पालन किया जाने वाला शैक्षणिक कैलेंडर:

Acad.I/299/Academic Calendar/482 Dated: 01.07.2026

NOTIFICATION

The Academic Calendar to be followed for the all Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2026-27, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

| Semester I/III/V/VII | |
|---|---|
| Classes Begin | 28th July, 2026 (Tuesday) |
| Autumn Vacation | 18th October, 2026 (Sunday) to 25th October, 2026 (Sunday) |
| Classes begin after Autumn Vacation | 26th October, 2026 (Monday) |
| Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin | 20th November,2026 (Friday) |
| Theory examinations begin | 04th December,2026 (Friday) |
| Winter Vacation | 25th December, 2026 (Friday) to 31st December,2026 (Thursday) |
| **Semester II/IV/VI/VIII** | |
| Classes begin | 01st January, 2027 (Friday) |
| Mid Semester Vacation | 21st March, 2027 (Sunday) to 28th March, 2027 (Sunday) |
| Classes begin after Mid semester Vacation | 29th March, 2027 (Monday) |
| Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin | 30th April, 2027 (Friday) |
| Theory Examination Begin | 13th May, 2027 (Thursday) |
| Summer Vacation | 3rd June, 2027 (Thursday) to 20th July, 2027 (Tuesday) |

In order to give effect to the above-mentioned Academic Calendar for the Academic Session 2026-27, summer vacation notified in the existing Academic Calendar for the Undergraduate and Postgraduate Programmes for the academic session 2025-26 may be extended from 20th July, 2026 to 27th July, 2026.

1/7/26

REGISTRAR

# छात्र अनुसंशा पत्र

श्री अरविन्द महाविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में कार्य करना मेरे जीवन के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। इस भूमिका ने मुझे छात्र समुदाय का प्रतिनिधित्व करने, सार्थक पहल करने तथा कॉलेज के जीवंत शैक्षणिक और सांस्कृतिक वातावरण में योगदान देने का अवसर प्रदान किया। शिक्षकों, प्रशासन और विद्यार्थियों के निरंतर सहयोग ने मेरे भीतर सहयोग, नेतृत्व और सेवा की भावना को और सुदृढ़ किया।
श्री अरविन्दो कॉलेज की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र विकास पर भी समान रूप से बल दिया जाता है। समावेशिता, ईमानदारी और नवाचार जैसे मूल्यों ने मुझे एक अधिक आत्मविश्वासी नेता बनने में सहायता की तथा परिसर से बाहर की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया। मेरे लिए श्री अरविन्दो कॉलेज केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि ऐसा स्थान है जहाँ विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं और आजीवन याद रहने वाली स्मृतियाँ संजोते हैं।

**मोहित यादव, बी.कॉम.**
**अध्यक्ष, छात्र संघ** (2025–26)

श्री अरविन्द महाविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और व्यक्तिगत विकास, दोनों के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है। पर्यावरण सोसायटी 'पृथ्वी' की अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए मुझे नेतृत्व और संचार कौशल विकसित करने का अवसर मिला, जिन्हें केवल कक्षा में सीखना संभव नहीं था।
यहाँ के शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति वास्तव में समर्पित हैं। उनके निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग ने मुझे अपने स्नातकोत्तर अध्ययन की दिशा स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संस्थान की पूर्व छात्रा होने पर मुझे अत्यंत गर्व है और मैं जीवनभर इसके मूल्यों को अपने साथ संजोए रखूँगी।

**आद्या सिंह**
**बी.एससी. लाइफ साइंस**

असम से दिल्ली आकर श्री अरविन्द महाविद्यालय में बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान में प्रवेश लेना मेरे लिए उत्साहपूर्ण और परिवर्तनकारी अनुभव रहा। यहाँ का सहयोगी शिक्षकीय वर्ग और प्रेरणादायक शैक्षणिक वातावरण, विशेष रूप से राजनीति विज्ञान विभाग, तथा अंग्रेज़ी और वाणिज्य विभागों का निरंतर प्रोत्साहन, मेरी सीखने की यात्रा को अत्यंत समृद्ध और सार्थक बना गया।मैं अपनी मास्टर्स की तैयारी में वह आत्मविश्वास, जिज्ञासा और उस कृतज्ञता को साथ लेकर चलूँगी जो मैंने कॉलेज से पाई है।

**श्रुति अग्रवाल**
**बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान**

# छात्र अनुसंशा पत्र

श्री अरविन्द महाविद्यालय में बिताए मेरे चार वर्षों ने मुझे केवल एक डिग्री ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है।
व्याख्यानों, असाइनमेंट्स और अनेक छात्र-समितियों का हिस्सा बनते हुए मैं धीरे-धीरे उस प्रथम वर्ष की छात्रा से कहीं अधिक आत्मविश्वासी और दृढ़ बन गई, जिसने कभी इस कॉलेज के द्वार पर पहला कदम रखा था। आज यहाँ से विदा लेते समय मैं अपने साथ अनगिनत यादें, मित्रताएँ और जीवन के ऐसे सबक लेकर जा रही हूँ, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगे।
इस कॉलेज ने मुझे अपनापन दिया, जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। इसके लिए, और यहाँ बिताए हर अनुभव के लिए, मैं सदैव आभारी रहूँगी।

**अभिज्ञा सिंह**
**बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी**

जब मैं वर्ष 2023 में दिल्ली आई, तो अपने साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समावेशी वातावरण पाने के अनेक सपने लेकर आई थी। श्री अरविन्द महाविद्यालय ने मेरी सभी अपेक्षाओं से बढ़कर मुझे अनुभव दिए। यहाँ का शिक्षकीय वर्ग उत्कृष्ट है; उन्होंने विद्यार्थियों को गहराई से सोचने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया, जिसने मेरे व्यक्तित्व में वास्तविक परिवर्तन लाया।
पुस्तकों और कक्षाओं से परे, विभिन्न छात्र-समितियों ने मेरे महाविद्यालयीन जीवन को अनेक तरीकों से समृद्ध बनाया। तीन वर्षों तक सेज (SAGE) सोसायटी की सदस्य रहना मेरी सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक रहा।
यह प्रतिष्ठित संस्थान सदैव मेरे हृदय में विशेष स्थान रखेगा, और मैं सभी आदरणीय शिक्षकों की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे सीखने और आगे बढ़ने के लिए इतना समावेशी वातावरण प्रदान किया।

**मलिका ठाकुर**
**बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान**

जब मैंने पहली बार कॉलेज में कदम रखा, तब मुझे यह बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था कि यह स्थान मेरे जीवन को इतना बदल देगा। मैं अनेक प्रश्नों और अनिश्चितताओं के साथ यहाँ आया था, और आज यहाँ से आत्मविश्वास, अनमोल यादों और ऐसी मित्रताओं के साथ जा रहा हूँ जो जीवनभर मेरे साथ रहेंगी।
बी.ए. प्रोग्राम ने मुझे विभिन्न विषयों का अध्ययन करने और अपनी वास्तविक रुचियों को पहचानने की स्वतंत्रता दी। लेकिन शिक्षा से भी बढ़कर, इस यात्रा को अविस्मरणीय बनाने वाले लोग थे—वे शिक्षक जिन्होंने धैर्यपूर्वक मेरा मार्गदर्शन किया, वे मित्र जिन्होंने साधारण दिनों को विशेष बना दिया, और कैंटीन, कक्षाओं तथा कॉलेज के कार्यक्रमों में बिताए वे छोटे-छोटे पल, जो उस समय साधारण लगे थे, लेकिन आज सबसे अनमोल स्मृतियाँ बन चुके हैं।
जीवन के अगले अध्याय की ओर बढ़ते हुए, मैं इस कॉलेज द्वारा दिए गए हर अनुभव और अवसर के लिए सदैव कृतज्ञ रहूँगा।
**राज बरनवाल**
**बी.ए. प्रोग्राम**

# विशिष्ट पूर्व छात्र

श्री अरविन्दो कॉलेज अपने उन प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों पर गर्व करता है जिन्होंने उद्यमिता, कॉर्पोरेट नेतृत्व, मीडिया, लोक सेवा तथा उच्च शिक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी उपलब्धियाँ वर्तमान विद्यार्थियों को उत्कृष्टता और नेतृत्व की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

## कला एवं संस्कृति

### नीरज पांडे

**निर्देशक, निर्माता एवं पटकथा लेखक**

**ए वेडनेसडे’, ‘स्पेशल 26’, ‘टॉयलेट: एक प्रेम कथा’ तथा ‘एम.एस. धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी’ जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध।**

### श्रद्धा गुरुंग

**एस्टी लॉडर (Estee Lauder) प्रीमियम कॉस्मेटिक्स एवं फ्रेगरेंस ब्रांड की पूर्व ब्रांड फेस**

**ब्यूटी ब्लॉगर एवं कंटेंट क्रिएटर; MAC तथा Nykaa जैसे प्रमुख ब्रांड्स से संबद्ध।**

### सुमित अरोड़ा

**सह-संस्थापक, लिफाफा फिल्म्स**

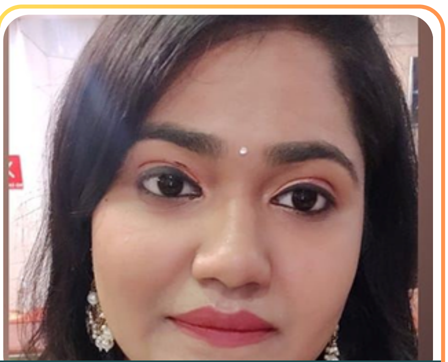

### श्रीतमा झा

**स्वतंत्र संगीत कलाकार**
**हाल ही में बॉलीवुड में पार्श्वगायिका (प्लेबैक सिंगर) के रूप में पदार्पण।**

### निक्किता कालरा

**फैशन स्टाइलिस्ट एवं ‘निक्की.के’ प्रीमियम क्लोदिंग ब्रांड की संस्थापक।**

# विशिष्ट पूर्व छात्र

## कॉर्पोरेट नेतृत्व एवं उद्यमिता

**आदित्य मेहरोत्रा**

संस्थापक एवं मुख्य रणनीतिकार, VERSEATILE

पुरस्कार-विजेता ब्रांड रणनीतिकार एवं ग्रोथ मार्केटर; स्वर्ण पदक विजेता, किंग्स कॉलेज लंदन से स्नातकोत्तर।

**शुभम श्रीवास्तव**

निदेशक एवं सॉफ्टवेयर डेवलपर, टेकमीक्रा सॉल्यूशंस

**आशीष मान**

बिजनेस स्ट्रेटेजिस्ट, सर्विस निंजाज़ प्रा. लि. एवं टेकमीक्रा सॉल्यूशंस

**मनीषा सक्सेना**

प्रबंध निदेशक, प्राइवेट क्लाइंट्स, एलजीटी वेल्थ इंडिया

**सिद्धार्थ सांगवान**

संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), हिंदुस्तान वेलनेस

# विशिष्ट पूर्व छात्र

## कॉर्पोरेट नेतृत्व एवं उद्यमिता

**श्रेया जोशी**

प्रोडक्ट मैनेजर, Lecturio

**रोहन जोहर**

इन्वेस्टमेंट बैंकिंग एसोसिएट, गोल्डमैन सैक्स, भारत

**विदित चौहान**

उपाध्यक्ष (निवेश), अनय वेंचर्स

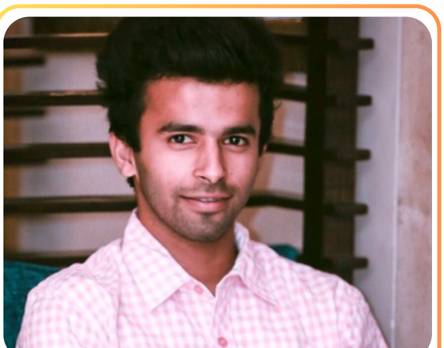

**अनमोल ढींगरा**

सीनियर ऑडिट एसोसिएट, ग्रांट थॉर्नटन LLP (INDUS)

# विशिष्ट पूर्व छात्र

## शिक्षा एवं अनुसंधान

**प्रो. श्री प्रकाश सिंह**

कुलपति, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय

**राजीव रंजन**

प्रोफेसर, ग्लासगो कैलेडोनियन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम

**डॉ. सार्थक गुप्ता**

सेंटर फॉर थिओरेटिकल बायोलॉजिकल फिजिक्स फेलो, राइस यूनिवर्सिटी, ह्यूस्टन, टेक्सास, अमेरिका

**आकांक्षा सिंह**

सहायक प्राध्यापक, महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपीयू

# विशिष्ट पूर्व छात्र

## लोक सेवा एवं सामाजिक प्रभाव

**वीरेन्द्र सचदेवा**

अध्यक्ष, दिल्ली भारतीय जनता पार्टी

**अरविंद हैंगलेम**

उप-मंडल मजिस्ट्रेट

**अंजलि पांडे**

समाचार प्रस्तोता
CNN-News18

**प्रशांत गोयल**

अधिवक्ता, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय; निदेशक, माउंट हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल, रेवाड़ी

# विशिष्ट पूर्व छात्र

## लोक सेवा एवं सामाजिक प्रभाव

**पवन कुमार गुप्ता**

उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश पुलिस

**मयंक प्रताप**

सेक्शन ऑफिसर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

**मयंक नेगी**

जीएसटी एवं सीमा शुल्क विभाग, दिल्ली ज़ोन

**मनोज शर्मा**

वरिष्ठ सहायक निदेशक, गंभीर धोखाधड़ी जाँच कार्यालय (Serious Fraud Investigation Office), कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

# संपादकीय एवं डिज़ाइन टीम

यह प्रॉस्पेक्टस हमारे शिक्षक मार्गदर्शकों एवं छात्र-छात्राओं की सामूहिक मेहनत, सृजनात्मकता और समर्पण का परिणाम है। इस प्रकाशन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों के प्रति हम अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

## संपादकीय टीम

- **सुश्री सुकृति सोबती**
  प्रधान संपादक
- **डॉ. दीपा**
  सह-संपादक
- **श्री निर्देश प्रजापति**
  सह-संपादक
- **डॉ. अभिनव प्रकाश**
- **डॉ. हेमचंद्र नामिरकपम**
- **सुश्री विभूति वाधवान**
- **श्री शिवम वर्मा**
- **डॉ. ऐभी बिस्वास**
- **डॉ. अनुपमा यादव**
- **श्री अमन यादव**

## डिज़ाइन टीम

- **रेंथुंगलो जामी**
  बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी
- **संयम जैन**
  बी.कॉम. (प्रोग्राम)
- **संघमित्रा राजे**
  बी.कॉम. (प्रोग्राम)
- **सुहानी**
  बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स
- **मौलिक डागर**
  बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

AUROBINDO COLLEGE (DU)

AUROBINDO COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
is celebrating it's
54th

MOTHER DAIRY

# श्री अरविन्द महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

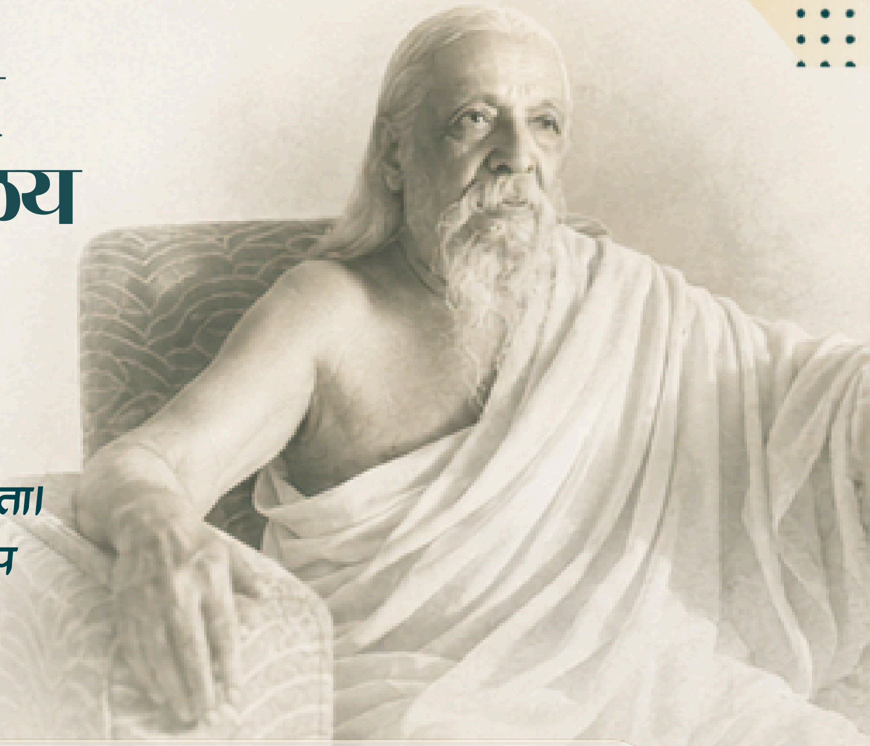

*सच्चा ज्ञान केवल सोचने से प्राप्त नहीं होता। वह वही है जो आप हैं; और वही है जो आप बनते हैं।*

*– श्री अरविन्द घोष*

## महाविद्यालय के बारे में

1972 में स्थापित, दिल्ली विश्वविद्यालय का श्री अरविन्द महाविद्यालय एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान है, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता, समग्र विकास तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्ध है। श्री अरविन्द जी के विचारों से प्रेरित यह महाविद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर उन्हें भविष्य का सक्षम नेतृत्व प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है।

### शैक्षणिक उत्कृष्टता

ज्ञानार्जन, समालोचनात्मक चिंतन तथा सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करना।

### समावेशी विकास

विविधता, समानता और अपनत्व की भावना को बढ़ावा देना।

### सामाजिक जिम्मेदारी

सेवा-भावना, उत्तरदायी नागरिकता तथा सतत विकास की संस्कृति को प्रोत्साहित करना।

### नेतृत्व और नवाचार

नेतृत्व क्षमता और नवोन्मेषी सोच का विकास करना।

### समग्र विकास

बौद्धिक, शारीरिक, भावनात्मक एवं नैतिक विकास को प्रोत्साहन देना। मन को सशक्त बनाना, भविष्य का निर्माण करना।

*Empowering Minds, Shaping Future.*


## संपर्क करें

मालवीय नगर
नई दिल्ली – 110017
www.aurobindo.du.ac.in
principal@aurobindo.du.ac.in
+91-1140536164


वेबसाइट के लिए स्कैन करें

हमसे जुड़ें : @sriaurobindocollegeofficial  /Sri Aurobindo College-Morning  @SriAurobindo_DU